



सब का सपना



निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) की अध्यक्षता में एनसीओआरडी की **पेज: 3**

रकुल प्रीत ने जैकी भगनानी को बताया ताकत और **पेज: 8**

वर्ष : 02

अंक : 193

शनिवार 17 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

पांचवें नवरात्रे तक 2.23 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के किए दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। जारी नवरात्रों के दौरान हर दिन मां भगवती के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं में उछाल देखने को मिल रहा है। वैष्णो देवी भवन सहित यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योड़ी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रहे हैं। इसी का नतीजा है कि पहले पांच नवरात्रों के दौरान 2,23,657 श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी भवन पर मां भगवती की प्राकृतिक पिंडियों के समक्ष नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। इन श्रद्धालुओं को सुविधाएं देने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सी.आर.पी.एफ. की 6 बटालियन और जिला प्रशासन हरसंभव प्रयास कर रहा है। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से मिले आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पहले नवरात्र पर 47374, दूसरे नवरात्र पर 48280, तीसरे नवरात्र पर 46449 और चौथे नवरात्र यानी बुधवार को 41863 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दरबार में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया था, तो वहीं गुरुवार सुबह से ही वैष्णो देवी यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योड़ी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। गुरुवार रात 10 बजे तक 39,691 श्रद्धालुओं ने आर.एफ.आई.डी. कार्ड लेकर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान कर लिया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि जारी नवरात्रों के दौरान करीब 4 लाख श्रद्धालु वैष्णो देवी भवन पर नमन करेंगे।

पंजाब में बिना मुख्यमंत्री चेहरे के चुनाव में उतरेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि पार्टी किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए बिना चुनाव मैदान में उतरेगी। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने दावा किया कि राज्य में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। पायलट के मुताबिक, चुनाव में जुनाइट मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं की राय ली जाएगी। इसके बाद राज्य के नेतृत्व पर निर्णय होगा। उन्होंने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष परनाट सिंह को टीम को साथ लेकर चलने वाला कप्तान बताते हुए कहा कि चुनाव में सफलता के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का योगदान जरूरी है। सचिन पायलट ने चुनावी मुकाबले की तुलना क्रिकेट से करते हुए कहा कि जीत के इशदे से मैदान में उतरने वाली टीम के लिए लक्ष्य हासिल करना संभव है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस के पास मजबूत संगठन तथा चुनाव जीतने की क्षमता है।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर निशाना : मतदाता सूची के जरिए साजिश का आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग (ईसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक विरोधी चुनाव आयोग के माध्यम से एक बड़ी साजिश रच रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि वे सीधे चुनावी मुकाबले में जीत नहीं सकते। लखनऊ में प्रेसवार्ता को संबोधित कर अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में बार-बार होने वाले संशोधनों की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग से केवल एक बार संशोधन करने की मांग की, न कि बार-बार करते रहने की। उन्होंने कहा, चूंकि आपने पूरी तैयारी के साथ विशेष पुनरीक्षण (एसएसआर) का फैसला लिया है, तब इस अंतिम नामांकन तक इसतरह ही रहने दें। सपा प्रमुख यादव ने कटाक्ष कर कहा, जब उनकी कोई भी योजना काम नहीं आई, तब अब वे एसएसआर का सहारा ले रहे हैं, और अगर आप एसएसआर को उल्टा कर दें, तब आरएसएस बन जाता है! सपा प्रमुख ने अधिकारियों पर मतदाता सूची में लगातार संशोधन करने का दबाव डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिना पंजीकरण वाले, अंधेरी सुरंगों में रहने वाले और नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति जानते हैं कि अब सीधा मुकाबला संभव नहीं है, इसलिए वे चुनाव आयोग के जरिए यह साजिश रच रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर चिंता व्यक्त कर कहा कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही नाम कई बार दर्ज है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को सिस्टम में किसी भी हेरफेर को नाकाम करने के लिए हर स्तर पर सतर्क रहने का आह्वान किया।

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन चुनावी प्रक्रिया से होता : कांग्रेस

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में सरकार बदलना विपक्ष का अधिकार है और यह चुनाव के जरिए ही संभव है। दिल्ली में एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता खेड़ा ने 1977 के सत्ता परिवर्तन का हवाला देकर पूछा, भारत जैसे लोकतंत्र में सत्ता कैसे बदलती है? चुनाव के जरिए ही बदलती है। उन्होंने जोड़ा कि कांग्रेस वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान चलाकर मौजूदा सरकार को हराने और व्यवस्था बदलने की अपनी मंशा स्पष्ट रूप से दोहरा रही है। कांग्रेस नेता खेड़ा का ये बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस दावे के जवाब में आए है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल आयोग के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का इस्तेमाल कर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। सिंह ने आरोप लगाया था कि विपक्ष युवाओं को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाकर देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, और वे बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में भी सत्ता बदलना चाहते हैं।

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत और वरिष्ठ पत्रकार निखिल वागले को नोटिस जारी किया। यह नोटिस सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा दायर एक आपराधिक अवमानना याचिका के संबंध में है, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के खिलाफ उनके कथित बयानों से जुड़ी है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने राउत और वागले को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। हालांकि, फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब सीजेआई को लेकर राउत की टिप्पणियों पर विवाद चल रहा है। दर-असल, सीजेआई ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने से इनकार कर दिया था, जो उन्हें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे।

मोदी का विरोध अपनी जगह पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता

-असदुद्दीन ओवैसी बोले- बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना वयो डरती है



नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एलन मस्क के बयानों पर कहा कि पीएम मोदी का विरोध अपनी जगह है, पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता। स्टारलैंक को भारत में मंजूरी मिलने में देरी से शुरू हुए इस विवाद में राहुल गांधी ने उद्योगपतियों से सरकार के रिशतों पर हमला बोला, जबकि ओवैसी ने बीजेपी से राष्ट्रवाद पर सवाल पूछा। स्पेसएक्स के मालिक और टेस्ला के सीईओ मस्क ने आरोप लगाया है कि कुछ ओलिगार्क अपना दबदबा बचाने के लिए स्टारलैंक को एंटी रोक रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या रिलायंस चैयरमैन मुकेश अंबानी भारत के असली बांस हैं, और उन्हें पीएम मुकेश अंबानी तक कह डाला। सरकार के मुताबिक स्टारलैंक, के रिलायंस जियो की सैटेलाइट कंपनी

और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब, तीनों लाइसेंसधारी कंपनियों की सुरक्षा जांच चल रही है और वे करीब एक ही चरण में हैं। सुरक्षा जांच और स्पेक्ट्रम मंजूरी के बिना कोई सेवा शुरू नहीं कर सकता। मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ एआईएमआईएम के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद हैदराबाद में सांसद ओवैसी ने कहा कि वे हमेशा पीएम मोदी के खिलाफ थे और रहेंगे, लेकिन एलन मस्क पीएम के बारे में ऐसा कैसे लिख सकते हैं। उन्होंने पूछा कि बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है।

यूनूस शेख एआईएमआईएम के किसी भी पद पर नहीं थे और न ही पार्टी के सदस्य थे

-पार्षद सहर के पिता के शिवसेना में शामिल होने पर वारिस पठान ने टी सफाई



मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे नगर महापालिका की नवनिर्वाचित एआईएमआईएम पार्षद सहर के पिता यूनूस शेख के एकनाथ शिंदे गट की शिवसेना में शामिल होने की खबर पर राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। इस घटनाक्रम को लेकर विरोधी दलों ने तंज कसने और भगवा रंग से जोड़ने की कोशिशों के बीच एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने एक वीडियो जारी कर स्पष्टाई बताई और इस मामले पर विराम लगाने का प्रयास किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वारिस पठान ने साफ किया कि यूनूस शेख ने किसी राजनीतिक दल को नहीं, बल्कि एक केबल यूनिट को जॉइन किया है। यूनूस शेख पिछले तीस सालों से केबल व्यवसाय से जुड़े हुए

हैं और वे उससे संबंधित एक संस्थान का सदस्य अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों में होते हैं। उन्होंने कई उदाहरणों का हवाला दिया जहां पिता, बेटा और बेटे अलग-अलग पदों में सक्रिय हैं। पठान ने कहा कि यूनूस शेख अपनी मनमर्जी के मालिक हैं और वह कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र हैं, क्योंकि उनका एआईएमआईएम से कोई संगठनात्मक संबंध नहीं था। एआईएमआईएम ने उन उदाहरणों को खारिज कर दिया, जिनमें सहर शेख के भी शिवसेना की ओर झुकाव की बात कही जा रही थी।

कोई नई बात नहीं है कि एक ही परिवार के सदस्य अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों में होते हैं। उन्होंने कई उदाहरणों का हवाला दिया जहां पिता, बेटा और बेटे अलग-अलग पदों में सक्रिय हैं। पठान ने कहा कि यूनूस शेख अपनी मनमर्जी के मालिक हैं और वह कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र हैं, क्योंकि उनका एआईएमआईएम से कोई संगठनात्मक संबंध नहीं था। एआईएमआईएम ने उन उदाहरणों को खारिज कर दिया, जिनमें सहर शेख के भी शिवसेना की ओर झुकाव की बात कही जा रही थी।

दुनिया में जारी संघर्षों के बीच ‘तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा’: दलाई लामा

- धर्मगुरु ने कहा-तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम

नई दिल्ली, एजेंसी। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने संदेश दिया है कि दुनिया में जारी संघर्ष और बदलते भू-राजनीतिक हालात के बावजूद तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा। उन्होंने तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम बताया। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब तिब्बती धर्मगुरु के उत्तराधिकारी को लेकर चीन के साथ मतभेद बने हुए हैं और भारत-चीन के बीच सीमा विवाद भी तनावपूर्ण है। दलाई लामा ने तिब्बत के लोगों के लिए उम्मीद को किरण जगाते हुए कहा कि

हालात चाहे जैसे भी हों, तिब्बत का मुद्दा उसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ों, उसकी परंपराओं और धर्म को बचाए रखने से जुड़ा है। यह संदेश इस बात पर जोर देता है कि तिब्बत का सवाल सिर्फ राजनीतिक अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ तिब्बती लोगों की भाषा, संस्कृति, धार्मिक परंपराएं और उनकी अलग पहचान भी जुड़ी हुई है। दलाई लामा 1959 से भारत में रह रहे हैं, और धर्मशाला तिब्बती निवासित समुदाय तथा उसके धार्मिक-राजनीतिक संस्थानों का एक प्रमुख केंद्र है, जहां दशकों से तिब्बती समुदाय अपनी

सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत के भविष्य से जुड़ा एक बड़ा सवाल दलाई लामा के उत्तराधिकारी का भी है, जिस पर चीन से गहरा विवाद है। जुलाई 2025 में दलाई लामा ने स्पष्ट किया था कि उनके अगले अवतार की पहचान करने का अधिकार केवल पादेन फोड्रंग ट्रस्ट के पास होगा और इस प्रक्रिया में किसी दूसरे पक्ष को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। इसके उलट, चीन का कहना है कि अगले दलाई लामा की पहचान चीनी कानूनों, धार्मिक परंपराओं

और ऐतिहासिक व्यवस्थाओं के मुताबिक होनी चाहिए और उत्तराधिकारी को चीन की केंद्र सरकार की मंजूरी मिलनी जरूरी है। दलाई लामा का यह संदेश इस बात को रेखांकित करता है कि तिब्बत का मुद्दा केवल बदलते राजनीतिक समीकरणों से तय नहीं होगा, बल्कि तिब्बती संस्कृति, धर्म और परंपराओं को बचाने की कोशिशें इसे जीवित रखेंगी। हाल ही में भारत और चीन के बीच लद्दाख पर टिप्पणियों को लेकर भी मतभेद सामने आए हैं। 13 अक्टूबर 2026 को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लद्दाख को भारत का अभिन्न बताया था, जिसके बाद



चीन की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने संबंधित क्षेत्रों पर अपने दावे दोहराए।

■ विपक्षी नेताओं ने 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसमें उन्होंने मतदाता सूची के संशोधन में बड़े पैमाने पर नाम हटाने और अनियमितताओं...

बीच वागले ने अर्तॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी को लिखे एक पत्र में कहा कि उन्होंने वह पोस्ट हटा दी है और सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। वागले ने बताया कि वह पोस्ट सिस्टम से उपजे दुख और हताशा के कारण एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। उन्होंने अपनी भाषा के लिए खेद जताया और कहा कि वह अपनी टिप्पणी को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। एक अन्य घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राउत से उनके आचरण पर स्पष्टीकरण मांगा। यह तब हुआ जब कोर्ट ने राहुल गांधी और इंडी गटबंधन

के अन्य नेताओं द्वारा दायर उस याचिका के हिस्से के रूप में राउत की याचिका को अस्थायी रूप से स्वीकार किया, जिसमें भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया (एसआ-ईआर) को चुनौती दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने निर्देश दिया कि राउत की ओर से दायर याचिका को अस्थायी आधार पर स्वीकार किया जाए, बशर्ते वह अपने आचरण के बारे में स्पष्टीकरण दें। विपक्षी नेताओं ने 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसमें उन्होंने मतदाता सूची के संशोधन में बड़े पैमाने पर नाम हटाने और अनियमितताओं का आरोप लगाया था। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर नोटिस जारी किया (जिसका जवाब 27 अक्टूबर तक देना है) और निर्देश दिया कि इस मामले को पहले से संबंधित याचिकाओं के साथ जोड़ दिया जाए। कोर्ट रूम में मौजूद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं

राहुल ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया, अपमान का सवाल ही नहीं: शिवकुमार

-प्रदर्शन में डीके को धक्का देने से गरमाई राजनीति, भाजपा ने अपमान बताया



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार को लेकर उठे कथित विवाद पर सीएम डीके शिवकुमार ने सफाई दी है। उन्होंने साफ कहा है कि राहुल गांधी ने ही उन्हें सीएम बनाया है और उनके प्रति अपमान जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने बीजेपी और कुछ मीडिया संस्थानों पर इसे राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। वहीं, बीजेपी ने भी आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने सीएम को किनारे कर कन्नड़ लोगों का अपमान किया है।

बता दें यह विवाद तब शुरू हुआ जब सीएम को नई दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान बीजेपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर दावा किया कि राहुल गांधी ने डीके शिवकुमार को धक्का देकर किनारे कर दिया। हालांकि, शिवकुमार ने इन आरोपों को निरु से खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन में भीड़ बहुत ज्यादा थी और राहुल गांधी उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे, इसलिए उन्होंने शिवकुमार को पीछे आ रहे वाहन में बैठने के लिए कहा था।

शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कई मीडिया संस्थानों और बीजेपी नेताओं ने इस घटना को अपमान के तौर पर पेश करना गलत है। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी और राहुल गांधी के आशीर्वाद से मैं सीएम बना हूं। यह पूरा आशीर्वाद है और हम यहां सरकार चला रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के मतदाताओं के हितों की

कहा कि विरोध प्रदर्शनों और बड़ी जनसभाओं में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। परमेश्वर ने समझाया कि उस स्थान पर सुरक्षा कर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी राहुल गांधी की रक्षा करना और भीड़ को उनके करीब आने से रोकना था। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्यवश मुख्यमंत्री भी उस क्षेत्र की ओर बढ़ गए और भीड़ के बीच उन्हें हल्का धक्का लग गया, जो कि परिस्थितियों का परिणाम था, न कि किसी अपमानजनक इरादे का। रिपोर्ट के मुताबिक इस विवाद पर बीजेपी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचिवक और बीजेपी नेता पवन रवि कुमार ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान सीएम डीके शिवकुमार को धक्का देना कन्नड़ लोगों का अपमान है। रवि कुमार ने कहा कि वह घटना राहुल गांधी की अपनी ही पार्टी के सीएम के प्रति अनादर को दर्शाती है। इस प्रकार, दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई घटना को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

पीएम मोदी ने नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि किया नमन

-भवानी अष्टकम का यूट्यूब लिंक साझा कर भजन में देवी महिमा का बखान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मां कात्यायनी को नमन करते हुए एक्स पर देवी स्तुति से जुड़े एक भजन का यूट्यूब लिंक साझा किया। मोदी ने अपने इस पोस्ट में लिखा- नवरात्रि की पवित्र षष्ठी पर मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन! मेरी कामना है कि उनकी अनुकंपा से हर किसी के जीवन में असीम शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने एक्स पोस्ट में आदि शंकराचार्य द्वारा रचित और माधवी मधुकर झा के गाए भजन मनसिजासु बहिःप्रसरासु चा शैयर किया गया। जिसका भावार्थ है कि हे जगदम्बिके! संसार में भला ऐसा कौन-सा शब्द है, जो आपकी स्तुति नहीं है? क्योंकि आपका स्वरूप तो समस्त शब्दों से बना है। हे देवी! मेरे मन में उठने वाले सभी विचारों और साझा किया गया। संस्कृत श्लोक,



तब च का किल न स्तुतिरम्बिके! सकलशब्दमयी किल ते तनुः। निखिलमूर्तिषु मे भवदन्वयो मनसिजासु बहिःप्रसरासु चा शैयर किया गया। जिसका भावार्थ है कि हे जगदम्बिके! संसार में भला ऐसा कौन-सा शब्द है, जो आपकी स्तुति नहीं है? क्योंकि आपका स्वरूप तो समस्त शब्दों से बना है। हे देवी! मेरे मन में उठने वाले सभी विचारों और बाहर दिखाई देने वाली समस्त

आकृतियों एवं मूर्तियों में मुझे आपका ही स्वरूप दिखाई देता है। नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जा रही है। मां कात्यायनी देवी दुर्गा का छत्र रूप हैं। मां की चार भुजाएं हैं। उनके एक हाथ में कौन-सा शब्द है, जो आपकी स्तुति नहीं है? उनके अन्य दोनों हाथ वरदा मुद्रा और अभय मुद्रा में हैं। उनका वाहन सिंह है।

संपादकीय

मर्ज का वाजिब खर्च

अक्सर मरीजों द्वारा उपचार के दौरान मनमाने दाम वसूलने और कीमतों में पारदर्शिता के अभाव के आक्षेप लगाये जाते रहे हैं। ये केवल पांच सितारा अस्पतालों के संदर्भ में ही नहीं है, क्लिनिकों,सरकारी अस्पतालों में उपचार के दौरान उपचार खर्च में पारदर्शिता के अभाव का जिक्र होता है। जो अकसर कमजोर वर्गों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के लिये रोग से बड़ा सिरदर्द बन जाता है। इस समस्या के मद्देनजर ही केंद्र सरकार ने सभी राज्यों सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों और क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएं। निस्संदेह, इसे सरकार की ओर से एक अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल व्यवस्था बनाने की दिशा में यह स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है। अकसर देखने में आता है कि इलाज के लिये आने वाले मरीजों को उपचार में होने वाले खर्च की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। इसमें दो राय नहीं कि परामर्श शुल्क, जांच यानी डायग्नोस्टिक टेस्ट, इलाज की प्रक्रियाओं और अस्पताल में उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी होने से मरीजों को सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। साथ ही वे अचानक सामने आने वाले वित्तीय बोझ से बच सकेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। दरअसल, क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 और क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स(केंद्र सरकार) नियम 2012 के तहत अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिये यह अनिवार्य किया गया है कि वे अपनी सेवाओं और सुविधाओं के शुल्क को ऐसी जगह प्रदर्शित करें,जहां मरीज व उनके तिमारदार आसानी से देख सकें। सेवाओं व सुविधाओं की फीस अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखी होनी चाहिए। हालांकि, इससे बचाव के को लेकर सरकारी व निजी अस्पतालों के संचालकों की दलील है कि उपचार की कीमतों की तय सीमा निर्धारित किए जाने से उपचार की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। दरअसल, कई प्राइवेट अस्पताल व क्लिनिकों के संचालक इन निदेशों को लागू करने के बाबत तमाम तरह के किंतु-परंतु गिनाते हैं। उनकी दलील है कि इन नियमों को लागू करने से उपचार की आर्थिक व्यवहार्यता कमजोर हो सकती है। जिसके चलते उपचार की परिचालन लागत, बुनियादी ढांचे और क्लिनिकल विशेषज्ञता में अंतर को नजरअंदाज किया जा सकता है। निस्संदेह, इन चिंताओं पर विचार तो जरूर किया जाना चाहिए, लेकिन इन्हें कीमतों से जुड़ी जरूरी जानकारी छिपाने का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक अच्छी सुविधाओं वाले प्राइवेट अस्पताल और सरकारी अस्पताल की लागत संरचना में अंतर होना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, मरीजों को इलाज के लिये सहमति देने से पहले यह जानने का अधिकार तो होना ही चाहिए कि उनकी जेब कितनी ढीली होने वाली है।

चितन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे। तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उतर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोई मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षों तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंच्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विचार

आस्था पर प्रतिबंध नहीं समाधान जरूरी पटाखों और पराली दोनों के प्रदूषण पर हो समान दृष्टि



त्योहार भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन की आत्मा हैं। दीपावली होली जैसे पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं बल्कि वे समाज में आपसी मेलव, उल्लास और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम भी हैं। ऐसे में जब हर वर्ष त्योहारों के आसपास प्रदूषण का मुद्दा उठता है और पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ती है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या प्रदूषण रोकने की जिम्मेदारी केवल त्योहार मनाने वाले लोगों की है। पर्यावरण संरक्षण निस्संदेह जरूरी है लेकिन इसके नाम पर किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं और परंपराओं को लगातार कठघरे में खड़ा करना भी उचित नहीं है। जरूरत ऐसी नीति की है जो पर्यावरण की रक्षा करे और लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता तथा उत्सव मनाने की भावना का भी सम्मान करे।



मेरठ के बहुचर्चित नीला ड्रम कांड में सौरभ राजपूत की कानिल उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई गई है। पतिहंता महिला को पहली बार देश में फांसी की सजा सुनाई गई है। मुस्कान और साहिल ने सौरभ के पांच टुकड़े करके नीले ड्रम में सीमेंट डाल कर जमा दिए थे। यह समूचे समाज की भीतर तक झकझोरने वाला हत्याकांड रहा, जिसने भारतीय परिवारिक सामाजिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। क्या कोई विवाहित महिला ऐसा भी कर सकती है ? जिस दंपति के एक छोटी बच्ची हो, जिसका पति उसको बेपनाह प्यार करता हो, लेकिन विवाहित युवती ने न अपना भविष्य देखा और न बच्ची का... वह वासना भरे कथित प्यार में ऐसी अंधी हुई कि अपने प्रेमी के साथ मिल कर पति के ही पांच टुकड़े कर दिए। बुधवार को जब कोर्ट ने मुस्कान एक नीले ड्रम में सील कर दिया गया,4 मार्च 2025: इस दिन मुस्कान अपनी बेटी को मायके छोड़कर साहिल के साथ शिमला घूमने निकल गई और सौरभ के फोन से मैसेज भेजकर परिवार को धोखे में रखा.17 मार्च 2025: शिमला से लौटने के बाद जब मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर रखे नीले ड्रम से सौरभ राजपूत के शव के टुकड़े बरामद किए गए, पुलिस ने आरोपी मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया. आपको बता दें कि 14 अक्टूबर को मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 30 में पेश किया गया था. इससे पहले अदालत ने 30 सितंबर को मुस्कान और साहिल को सौरभ राजपूत की हत्या करने और उनके शव को छिपाने की कोशिश के मामले में दोषी करार दिया था. करीब 13 महीने तक चले मुकदमे में कुल 126 सुनवाई हुईं, जिसके बाद अदालत ने दोनों को सजा सुनाई. आपको बता दें कि सौरभ हत्या कांड के बाद कुछ और केस सामने आए। इन पर भी अदालतें देर सबेर फैसला सुनाएंगी। इसी माह की 16 तारीख को मेरठ के ही एक और केस का फैसला आना है, जिसमें

आपको क्रमवार याद दिला दें कि 24 फरवरी 2025 को मर्चेट नेवी अफसर सौरभ राजपूत लंदन से वापस मेरठ लौटे और इंदिरा नगर स्थित अपने घर पहुंचे.25 फरवरी 2025 को सौरभ के घर में उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाया गया.28 फरवरी 2025 को उनकी बेटी पीहू का जन्मदिन मनाया गया.3 मार्च 2025:

अभियोजन पथ के अनुसार, साजिश के तहत सौरभ को नौद की दवा दी गई और उसके बाद उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को घर बुलाया गया, जहां सौरभ की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इसके बाद शव के टुकड़े कर उसे सीमेंट भरकर एक नीले ड्रम में सील कर दिया गया.4 मार्च 2025: इस दिन मुस्कान अपनी बेटी को मायके छोड़कर साहिल के साथ शिमला घूमने निकल गई और सौरभ के फोन से मैसेज भेजकर परिवार को धोखे में रखा.17 मार्च 2025: शिमला से लौटने के बाद जब मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर रखे नीले ड्रम से सौरभ राजपूत के शव के टुकड़े बरामद किए गए, पुलिस ने आरोपी मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया.

आपको बता दें कि 14 अक्टूबर को मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 30 में पेश किया गया था. इससे पहले अदालत ने 30 सितंबर को मुस्कान और साहिल को सौरभ राजपूत की हत्या करने और उनके शव को छिपाने की कोशिश के मामले में दोषी करार दिया था. करीब 13 महीने तक चले मुकदमे में कुल 126 सुनवाई हुईं, जिसके बाद अदालत ने दोनों को सजा सुनाई. आपको बता दें कि सौरभ हत्या कांड के बाद कुछ और केस सामने आए। इन पर भी अदालतें देर सबेर फैसला सुनाएंगी। इसी माह की 16 तारीख को मेरठ के ही एक और केस का फैसला आना है, जिसमें

आपको क्रमवार याद दिला दें कि 24 फरवरी 2025 को मर्चेट नेवी अफसर सौरभ राजपूत लंदन से वापस मेरठ लौटे और इंदिरा नगर स्थित अपने घर पहुंचे.25 फरवरी 2025 को सौरभ के घर में उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाया गया.28 फरवरी 2025 को उनकी बेटी पीहू का जन्मदिन मनाया गया.3 मार्च 2025: अभियोजन पथ के अनुसार, साजिश के तहत सौरभ को नौद की दवा दी गई और उसके बाद उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को घर बुलाया गया, जहां सौरभ की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इसके बाद शव के टुकड़े कर उसे सीमेंट भरकर एक नीले ड्रम में सील कर दिया गया.4 मार्च 2025: इस दिन मुस्कान अपनी बेटी को मायके छोड़कर साहिल के साथ शिमला घूमने निकल गई और सौरभ के फोन से मैसेज भेजकर परिवार को धोखे में रखा.17 मार्च 2025: शिमला से लौटने के बाद जब मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर रखे नीले ड्रम से सौरभ राजपूत के शव के टुकड़े बरामद किए गए, पुलिस ने आरोपी मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया.

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर सोमवार को उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस बहस को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बामची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कम प्रदूषण वाले विकल्प अपनाने और लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने भी पटाखों से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख किया। मामले में अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। भारत में दीपावली पर दीप जलाने, परिवार के साथ खुशियां बांटने और परंपरागत रूप से आतिशबाजी करने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है। समय के साथ उत्सव मनाने के तरीके बदले हैं, लेकिन त्योहारों का मूल भाव प्रकाश, आनंद और सामाजिक एकता ही रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परंपराओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाए। कम धुआं पैदा करने वाले प्रमाणित पटाखों, निर्धारित समयसीमा और नियंत्रित आतिशबाजी जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। लोगों को जागरूक करके भी प्रदूषण कम किया जा सकता है। केवल प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। प्रतिबंध के साथ निगरानी, जनसहभागिता और प्रभावी क्रिया-व्ययन

मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा समाज को संदेश

या दंड के बीच के परस्पर संबंधों को समझाया। जज ने स्पष्ट किया कि दंड भी धर्म है, यानी समाज की रक्षा के लिए अपराधी को उसके अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड देना बेहद जरूरी है, ताकि समाज में संतुलन बना रहे।उन्होंने फैसला पढ़ना शुरू किया इससे पहले उन्होंने अहम टिप्पणी में कहा कि दंड भी धर्म है. उन्होंने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि दंड को भी धर्म ही बताया गया है, यानी अपराधी को दंड देना धर्म है.

आपको क्रमवार याद दिला दें कि 24 फरवरी 2025 को मर्चेट नेवी अफसर सौरभ राजपूत लंदन से वापस मेरठ लौटे और इंदिरा नगर स्थित अपने घर पहुंचे.25 फरवरी 2025 को सौरभ के घर में उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाया गया.28 फरवरी 2025 को उनकी बेटी पीहू का जन्मदिन मनाया गया.3 मार्च 2025: अभियोजन पथ के अनुसार, साजिश के तहत सौरभ को नौद की दवा दी गई और उसके बाद उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को घर बुलाया गया, जहां सौरभ की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इसके बाद शव के टुकड़े कर उसे सीमेंट भरकर एक नीले ड्रम में सील कर दिया गया.4 मार्च 2025: इस दिन मुस्कान अपनी बेटी को मायके छोड़कर साहिल के साथ शिमला घूमने निकल गई और सौरभ के फोन से मैसेज भेजकर परिवार को धोखे में रखा.17 मार्च 2025: शिमला से लौटने के बाद जब मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर रखे नीले ड्रम से सौरभ राजपूत के शव के टुकड़े बरामद किए गए, पुलिस ने आरोपी मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया.

आपको बता दें कि 14 अक्टूबर को मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 30 में पेश किया गया था. इससे पहले अदालत ने 30 सितंबर को मुस्कान और साहिल को सौरभ राजपूत की हत्या करने और उनके शव को छिपाने की कोशिश के मामले में दोषी करार दिया था. करीब 13 महीने तक चले मुकदमे में कुल 126 सुनवाई हुईं, जिसके बाद अदालत ने दोनों को सजा सुनाई. आपको बता दें कि सौरभ हत्या कांड के बाद कुछ और केस सामने आए। इन पर भी अदालतें देर सबेर फैसला सुनाएंगी। इसी माह की 16 तारीख को मेरठ के ही एक और केस का फैसला आना है, जिसमें

पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी



छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। हाघर का चिराग ही घर में अंधेरा कर देहू, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हैरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रा मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठता है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं ? इतनी गिरफ्तारियों और जब्तों के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। हमजर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों सवा

भी जरूरी है। यह सवाल भी उठता है कि यदि पटाखों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जा सकते हैं तो पराली जलाने पर प्रभावी रोक लगाने के लिए वैसी ही गंभीरता क्यों नहीं दिखाई देती। किसानों की अपनी व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। फसल कटाई के बाद खेतों को समय पर तैयार करना, मशिनों की उपलब्धता और अवशेषों के निस्तारण की लागत उनके सामने वास्तविक चुनौतियां हैं। इसलिए किसानों को केवल दंडित करना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें वैकल्पिक मशीनें, आर्थिक सहायता और पराली के उपयोग की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई भी होनी चाहिए। किसान, उद्योग, वाहन चालक और आम नागरिक सभी पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी साझा करें, तभी सार्थक परिणाम मिलेंगे। होली के अवसर पर भी पानी की कमी का मुद्दा उठता है। जल संरक्षण की चिंता बिल्कुल उचित है, लेकिन उसका समाधान भी संतुलित होना चाहिए। लोगों को पानी बचाने, सूखे रंगों का इस्तेमाल करने और अनावश्यक जल व्यय से बचने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इसी प्रकार दीपावली पर पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाने के लिए जनजागरण अभियान चलाए जा सकते हैं। समाज को साथ लेकर चलने वाली व्यवस्था अधिक प्रभावी होती है। त्योहारों को लेकर हर वर्ष विवाद खड़ा करने के बजाय सरकार, प्रशासन, पर्यावरण विशेषज्ञों और धार्मिक

संगठनों को मिलकर ऐसे उपाय विकसित करने चाहिए जो परंपराओं और प्रकृति दोनों की रक्षा करें। उच्चतम न्यायालय ने भी सुनवाई के दौरान इस बात पर ध्यान दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता देखना जरूरी है। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। किसी भी प्रतिबंध का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब उसका पालन संभव हो, निगरानी की व्यवस्था स्पष्ट हो और जनता उसमें सहयोग करे। लोगों को यह समझाना जरूरी है कि कौन से पटाखे अधिक हानिकारक हैं और किन विकल्पों से नुकसान कम किया जा सकता है। जागरूकता, जिम्मेदारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है। अंततः पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक आस्था को आमने-सामने खड़ा करना उचित नहीं है। स्वच्छ वातावरण भी जरूरी है और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान भी। किसी की खुशियों पर अनावश्यक रोक लगाने के बजाय प्रदूषण के सभी स्रोतों पर समान गंभीरता से कार्रवाई होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय की आगामी सुनवाई से यह उम्मीद की जा सकती है कि ऐसा रास्ता निकलेगा जिसमें नागरिकों के स्वास्थ्य, धार्मिक स्वतंत्रता और पर्यावरण संरक्षण के बीच उचित संतुलन कायम हो। प्रदूषण के नाम पर ज्यादाती नहीं होनी चाहिए, लेकिन पर्यावरण के प्रति लापरवाही भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। समाधान प्रतिबंधों की प्रतिसर्था में नहीं, बल्कि निष्पक्ष नियमों, प्रभावी व्यवस्था और सामूहिक जिम्मेदारी में छिपा है।

ही सवालों के घेरे में ला दिया। सोशल मीडिया पर नीला ड्रम ऐसे छा गया, मानो उसका ही कसूर था। हालात-ए-क़त्ल का मंजर देखकर पुलिस टीम में भी रोंपटे खड़े हो गए, जब नीले ड्रम में सौरभ राजपूत टुकड़े-टुकड़े होकर जमा पड़ा था। अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े करना, उन्हें ठिकाने लगाना या साक्ष्य नष्ट करना जांच में महत्वपूर्ण परिस्थितियां रहें। न्याय का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि कानून के प्रति समाज का विश्वास बनाए रखना भी है। नीला ड्रम कांड के बाद पति की हत्या से जुड़े दूसरे चर्चित मामलों की चर्चा ने एक गंभीर सवाल खड़ा किया है। क्या वैवाहिक रिश्तों में हिंसा और प्रतिशोध की प्रवृत्ति बढ़ रही है ? इसका उत्तर केवल सुखियों और वायरल खबरों से नहीं दिया जा सकता। ये घटनाएं सामाजिक विकृतियों पर आत्मचिंतन की मांग करती हैं। आर्थिक अपेक्षाएं, विवाहपर संबंधों को लेकर विवाद, रहदह, अहंकार, संपत्ति के झगड़े और पारिवारिक हस्तक्षेप आदि इसके कई कारक हैं। ऐसे जघन्य अपराधों में फांसी की सजा केवल एक नज़ीर है। जिस पवित्र रिश्ते का खून हुआ, उसकी कहां सुनवाई होगी ? नीला ड्रम कांड में सुनाई गई सजा एक चेतावनी भर है। अपराध की भयावहता केवल शव छिपाने के तरीके में नहीं, उस मानसिकता में भी है जो किसी इंसान की जान लेने को सामनसिकता में भूमिका निभानी होगी। सोशल मीडिया के इस दौर में तमाम तरह का अनेैतिक असामाजिक और रिश्तों की पवित्रता को नष्ट करने वाली रील और सामग्री को वायरल कर परिवार व समाज को दूषित किया जा रहा है और नयी पीढ़ी में वैचारिक प्रदूषण का बीजारोपण कर भारतीय संस्कृति समाज और परिवार को तोड़ने का अधम काम किया जा रहा है। सबसे अहम सवाल है कि विवाह परंपरा की कैसे पुनर्जीवित और मजबूत बनाया जाए। सवाल यही है कि सात फेरों में साथ जीने-मरने का वादा करने वाले रिश्ते में आखिर ज़िंदगी इतनी सस्ती कैसे हो गई ?इस गंदगी और अपराध की सोच को अंकुरित होने से पहले ही खत्म करना होगा तभी परिवार नाम की संस्था को बचाया जा सकता है।

सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उताना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी ? सता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करों के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रिया-व्ययन पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई।

नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभगीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनादेशलान का स्वरूप दे सकती हैं। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगें और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विफलनीयता पर प्रश्न खड़े करें, तब आत्मचिंतन टालना आत्मघाती होगा। हलकों पीटने के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नाशे नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और उखाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिकों की जड़ें उखाड़ के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्याथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचा रहा है।

भाकियू अराजनीतिक ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित झापन जिलाधिकारी को सौंपा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के तत्वावधान में 16 अक्टूबर को प्रदेशव्यापी प्रदर्शन के अंतर्गत संभल में जिलाधिकारी कार्यालय पर किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने किसानों की विभिन्न समस्याओं व मांगों को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम संबोधित एक झापन जिलाधिकारी संभल को सौंपा झापन में भाकियू अराजनीतिक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गन्ना केवल एक फसल नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है जिससे प्रदेश के लगभग 48 लाख किसान परिवार प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं इसके साथ ही कृषि मजदूरों परिवहन चीनी मिलों कोल्हू एवं गुड़ उद्योग से जुड़े लाखों लोगों की आजीविका भी इसी पर निर्भर है यूनियन ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में डीजल खाद कीटनाशक सिंचाई और कृषि मजदूरी की लागत



में अत्यधिक वृद्धि हुई है दूसरी ओर चीनी के बाजार मूल्य में बढ़ोतरी और कोल्हूओं द्वारा चीनी मिलों के निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर गन्ने की खरीद ने किसानों की उचित मूल्य की मांग को और मजबूत किया है।आगामी पेर्राई सत्र के लिए गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य बढ़ाकर 500 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया जाए और किसानों का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाए।बेमौसम बारिश से हुए नुकसान जैसे धान बाजरा उड़द, मूंग व अन्य फसलों की क्षति का गांववार सर्वे

कराया जाए वास्तविक आकलन के आधार पर प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा और बीमा भुगतान दिलाया जाए साथ ही फसल कटाई के बाद खेतों या खलिहानों में रखी उपज को भी नुकसान की श्रेणी में शामिल किया जाए प्रदेश सरकार द्वारा आलू किसानों को कोल्ड स्टोरेज के किराए में सहायता देने के फैसले में शासनादेश जारी होने से पूर्व ही निकासी कर चुके किसानों को भी शामिल किया जाए इसके अलावा उद्यान विभाग में आलू के बीज का मूल्य बाजार भाव से दोगुना या

1500 रुपये प्रति कुंतल से अधिक तय न किया जाए। बड़ी संख्या में दूसरे की जमीन ठेके या बटाई पर लेकर खेती करने वाले किसानों जो भूमि अभिलेखों में नाम न होने के कारण सरकारी मदद से वंचित रह जाते हैं की पहचान कर ग्राम पंचायत लेखपाल और कृषि विभाग के समन्वय से उन्हें विशेष राहत व्यवस्था में शामिल किया जाए।धान, गेहूँ, गन्ना, दलहन एवं अन्य फसलों की बुआई व पोषण की आवश्यकता के अनुसार जिला एवं ब्लॉक स्तर पर उर्वरक की मांग का पूर्व आकलन किया जाए समितियों और अधिकृत बिक्री केंद्रों पर यूरिया, डीएपी आदि उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए तथा कालाबाजारी, जमाखोरी और निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए। झापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष शंकर सिंह यादव व अन्य पदाधिकारी ब कार्यकर्ता मौजूद रहे

आरसेटी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ग्रामीणों को जोड़ने पर जोर

एलडीएम ललित विजय राय की अध्यक्षता में हुई बैठक, सीएफएल एजेंटों को किया जागरूक



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बहजोई की ओर से शुक्रवार को सीएफएल एजेंटों को संस्थान के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संभल के अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) ललित विजय राय ने की। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में आरसेटी के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने सीएफएल एजेंटों को संस्थान की ओर से संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरसेटी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं एवं जरूरतमंद लोगों को विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग अपने कौशल को विकसित कर सकते हैं और स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आजीविका को बेहतर बना सकते हैं। एलडीएम



ललित विजय राय ने सीएफएल एजेंटों से अपील की कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक पात्र लोगों तक आरसेटी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जागरूकता के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ा जा सकता है। इसके लिए सभी संबंधित लोगों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।बैठक में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार, पात्र अभ्यर्थियों की पहचान करने तथा उन्हें कौशल विकास के

लिए प्रेरित करने पर चर्चा की गई। साथ ही इस बात पर बल दिया गया कि आरसेटी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, जिससे वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर आरसेटी के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता, संकाय सदस्य संतोष कुमार, कार्यालय सहायक सुजीत सिंह एवं विशेष तथा परिचारक रनवीर सिंह उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस का वाहन चेकिंग अभियान, 353 वाहनों पर कार्रवाई कर वसूला जुमाना



संभल(सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात जगदीश सिंह एवं प्रभारी यातायात जगदीश सिंह के निर्देश पर यातायात पुलिस ने संयुक्त वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

अभियान के अंतर्गत इंटरसेप्टर मोटरसाइकिल के माध्यम से तेज गति से वाहन चलाने वाले 107 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। वहीं, ओवरलोडिंग करने वाले टैंपो और ई-रिक्शा सहित 30 वाहनों पर कार्रवाई की गई। टैंपो और ई-रिक्शा में अनधिकृत रूप से लगाए गए 15 पायदान भी हटवाए गए। यातायात पुलिस ने तीन वाहनों को सीज करने की



कार्रवाई की। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर विभिन्न धाराओं में भी कार्रवाई की गई। यातायात प्रभारी ने चौधरी सराय में एक अवैध टेक्सी तथा बबराला में एक ऑटो को सीज किया। वहीं, बिना नंबर प्लेट वाले टैंपर की फॉल्टी नंबर प्लेट के संबंध में भी चालान किया गया। यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान में कुल

353 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई करते हुए 7 लाख 47 हजार रुपये का जुमाना किया गया।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें, वाहनों में अनधिकृत बदलाव न कराएं और यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें।

संभल

बहजोई महाविद्यालय में नशा मुक्ति युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- बहजोई महाविद्यालय में नशा मुक्ति युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति की शारीरिक मानसिक सामाजिक और आर्थिक प्रगति में सबसे बड़ी बाधा है। युवा यदि नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का सही



उपयोग करें तो वे राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को मोबाइल फोन की बढ़ती लत के प्रति भी विशेष रूप से सचेत किया। उन्होंने कहा कि मोबाइल का अत्यधिक

उपयोग भी एक प्रकार का नशा बनता जा रहा है जिससे विद्यार्थियों की एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे मोबाइल का उपयोग केवल अध्ययन और

आवश्यक कार्यों तक ही सीमित रखें। इसके बाद प्राचार्य ने समस्त विद्यार्थियों शिक्षकगण और कर्मचारियों को नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति प्रेरित करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी नशा मुक्ति विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार से गौरव वाष्णीय, दीप्ति रानी, बलवीर सिंह, सैतेंद्र कुमार, यशपाल सिंह यादव, नेमपाल सिंह यादव, पूजा शर्मा, प्रीति शर्मा, भगवान सिंह चौहान, राजीव कुमार, भुवनेश कुमार सहित सभी शिक्षक और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

चार करोड़ रुपये की लागत से बनेगा आधुनिक साइबर थाना

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने भूमि पूजन कर रखी नींव



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया गया है। बबराला रोड पर नेशनल हाईवे के निकट लगभग 4 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक सर्वसुविधायुक्त एवं आधुनिक साइबर थाने का निर्माण कराया जाएगा। इस महत्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ करते हुए जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल और पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने वैदिक

मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमि पूजन संपन्न किया और थाने की शिलान्यास पट्टिका का अनावरण कर नींव रखी। प्रस्तावित साइबर थाना परिसर का निर्माण लगभग 800 वर्ग मीटर के क्षेत्रफल में कराया जाएगा। इस अत्याधुनिक भवन में साइबर विशेषज्ञों के बैठने अत्याधुनिक डिजिटल लेब साक्ष्य संकलन कक्ष और तकनीकी अनुसंधान उपकरणों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी जिससे साइबर ठगी जैसी जटिल घटनाओं का पदाफाश तेजी से किया जा सके इस



अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री जी एवं प्रदेश शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद में इस आधुनिक साइबर थाने का निर्माण कराया जा रहा है। अब तक साइबर अपराध से जुड़े मामलों की गहन जांच और तकनीकी निस्तारण के लिए अन्य जिलों या बड़े केंद्रों पर निर्भर रहना पड़ता था या प्रक्रिया में अधिक समय लगता था। लेकिन जनपद मुख्यालय पर ही इस थाने की स्थापना होने से साइबर अपराधों

से संबंधित मामलों की जांच विवेचना और निस्तारण की सुविधा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होगी। इससे साइबर अपराधियों के विरुद्ध कड़ी और त्वरित कानूनी कार्रवाई करने में पुलिस प्रशासन को अभूतपूर्व गति मिलेगी।भूमि पूजन एवं शिलान्यास के इस कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत सहित पुलिस प्रशासन एवं संबंधित निर्माण विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सीएम युवा योजना से सरायतरीन के हैंडीक्राफ्ट को मिली नई धार

सारिक ने 2 लाख के कर्ज से खड़ा किया 7 लाख का कारोबार

संभल (सब का सपना):- हस्तशिल्प और नक्काशी के लिए देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले संभल जिले के पारंपरिक हुनर को अब प्रदेश सरकार की ओर से बड़ा वित्तीय संबल मिलने लगा है। संभल के ऐतिहासिक कस्बा सरायतरीन के मोहल्ला बड़ा मुहरम निवासी युवा सारिक ने उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सीएम युवा योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की अनूठी मिसाल पेश की है। सीमित संसाधनों के चलते कभी अपने कारोबार को विस्तार देने के लिए संघर्ष कर रहे सारिक ने योजना के तहत मिले महज 2 लाख रुपये के ऋण से हैंडीक्राफ्ट की आधुनिक इकाई स्थापित की है। आज वह न केवल हर महीने 50



हजार रुपये की कमाई कर रहे हैं बल्कि अपनी इस इकाई का सालाना टर्नओवर 6 से 7 लाख रुपये तक पहुंचाकर अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गए हैं। सारिक पुश्तैनी रूप से हस्तशिल्प कला से जुड़े रहे हैं जिसके कारण उन्हें इस हुनर की गहरी समझ है। हालांकि आधुनिक समय में बाजार की मांग के अनुरूप कच्चा माल खरीदने और उत्पादन

का दायरा बढ़ाने के लिए उनके पास पर्याप्त पूंजी नहीं थी। इसी दौरान उन्हें सरकार की इस कल्याणकारी योजना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र संभल के माध्यम से योजना में आवेदन किया। विभाग और बैंक के त्वरित सहयोग से उन्हें 2 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ जिससे उन्होंने

आवश्यक औजार और कच्चा माल जुटाकर अपने काम को सुव्यवस्थित रूप दिया। इस कारोबार के बढ़ने से उन्होंने दो अन्य स्थानीय कारीगरों को भी नियमित रोजगार उपलब्ध कराया है। इस सफलता पर जिलाधिकारी संभल अंकित खंडेलवाल ने कहा कि संभल का पारंपरिक हुनर वैश्विक मंचों पर नई पहचान गढ़ रहा है। सीएम युवा ियोजना महज कामजी कवायद नहीं बल्कि युवाओं के होसलों को पंख देने का एक प्रभावी धरातलीय जरिया है जिससे सारिक जैसे युवा सीधे रोजगार और समृद्धि हासिल कर रहे हैं। वहीं लाभार्थी सारिक ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिला उद्योग केंद्र का आभार जताते हुए कहा कि इस वित्तीय मदद से उन्हें अपनी कला को नई उड़ान देने का अवसर मिला है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत, परिवारों में मचा कोहराम

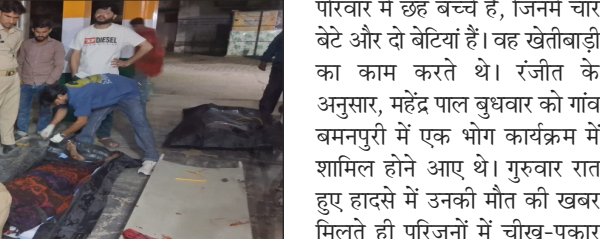
गुरुवार रात कीरतपुर-पाठकपुर-जुनावई मार्ग पर हुआ हादसा, पांच बच्चों के सिर से उठा पिता का साया



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के धनारी थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। कीरतपुर-पाठकपुर-जुनावई मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सरकारी अस्पताल बहजोई पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रात करीब 10 बजे दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव उनके गांव पहुंचाए गए, जहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार, धनारी थाना क्षेत्र के गांव बमनपुरी निवासी नीरज (28) पुत्र जसवंत और बदार्थ जनपद के उगैती थाना क्षेत्र के गांव रतनपुर निवासी



महेंद्र पाल (45) पुत्र डोरी पाल गुरुवार रात करीब आठ बजे एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से निकले थे। जब वे पाठकपुर-जुनावई मार्ग पर गांव कीरतपुर पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर लगने से मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद दोनों परिवारों में मातम छा गया। नीरज के भाई मनोज ने बताया कि नीरज की शादी करीब 12 वर्ष पहले सावित्री से हुई थी।



उसके परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं। बेटियों के नाम पुनम (10), ज्योति (8) और रोशनी (7) हैं, जबकि बेटों के नाम भावेश (5) और कविश (4) हैं। नीरज गांव में रहकर खेतीबाड़ी करता था और परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी मौत से पत्नी सावित्री और पांचों बच्चों के सामने दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पिता की मौत से मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, बदार्थ जनपद के गांव रतनपुर निवासी महेंद्र पाल के दामाद रंजीत ने बताया कि महेंद्र पाल के

परिवार में छह बच्चे हैं, जिनमें चार बेटे और दो बेटियां हैं। वह खेतीबाड़ी का काम करते थे। रंजीत के अनुसार, महेंद्र पाल बुधवार को गांव बमनपुरी में एक भोग कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। गुरुवार रात हुए हादसे में उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। धनारी थाना प्रभारी नरेश पाल ने बताया कि सड़क हादसे के मामले की जांच की जा रही है। हादसे के वक्त मौके पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार को दोनों मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए, जिसके बाद उनके गांवों में अंतिम संस्कार किया गया।

खंडित हनुमान प्रतिमा की जगह स्थापित होगी नई प्रतिमा, निर्माण कार्य तेज

हरिद्वार से लाई गई चार फीट ऊंची प्रतिमा, विधि-विधान से स्थापना में लग सकते हैं 15 दिन



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना-बुदकी मार्ग पर ग्राम मुगलवाला के सामने सड़क किनारे खंडित की गई हनुमान जी की प्रतिमा के स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित कराने की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए हरिद्वार से भगवान हनुमान जी की चार फीट ऊंची प्रतिमा लाई गई है। वहीं, प्रतिमा स्थल को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए चारदीवारी, चबूतरे और छत का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर कराया



जा रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ प्रतिमा स्थापित की जाएगी। जानकारी के अनुसार, बीती चार अक्टूबर की देर रात नगीना-बुदकी मार्ग पर ग्राम मुगलवाला के सामने सड़क किनारे स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा को शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना देने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी और उसी स्थान पर नई

कस्तूरबा गांधी बालिका विधालय पुरैनी की छात्राओं ने किया थाना नगीना का भ्रमण

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- मिशन शक्ति चरण 6.0 के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विधालय पुरैनी नगीना की बालिकाओं द्वारा विधालय स्टाफ के साथ थाना नगीना कार्यालय का भ्रमण किया जिन्हें महिलाओं की सुरक्षा के साथ-साथ थाने में प्रतिदिन होने वाले कार्यों अभिलेखों की जानकारी दी गयी। भ्रमण के दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना नगीना एवं मिशन शक्ति प्रभारी मौजूद रही। शुक्रवार को मिशन शक्ति एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विधालय पुरैनी नगीना की बालिकाओं द्वारा विधालय स्टाफ के साथ थाना नगीना कार्यालय का भ्रमण किया। जहां थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार व



एसएसआई सुक्रम पाल सिंह आदि ने छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग, फिशिंग, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड एवं ओटीपी साझा करने से होने वाले संभावित खतरों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, साथ ही संदिग्ध

लिंक पर क्लिक न करने, अनजान व्यक्तियों के साथ निजी जानकारी साझा न करने तथा किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त महिला सुरक्षा एवं आपातकालीन सहायता के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों

की जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी संकोच के पुलिस से सहायता लेने के लिए जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 1090 व्मैन पावर, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन व 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन की मुख्य रूप से जानकारी दी गई। नगीना सहित पूरे जिले की पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा जागरूकता सुनिश्चित करने और साइबर अपराधों के प्रति आमजन को सजग बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

हिट एंड रन में 32 वर्षीय शिवम उर्फ टोनी की मौत, इंसाफ की मांग को लेकर ग्रामीणों ने लगाया जाम

मंडावर-उत्तराखंड मार्ग पर ग्राम देवीदास वाला में हुआ हादसा, आरोपी चालक की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- थाना मंडावर क्षेत्र के ग्राम देवीदास वाला में मंडावर-उत्तराखंड मार्ग पर मॉर्निंग वॉक के दौरान तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से 32 वर्षीय शिवम उर्फ टोनी की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर शुक्रवार को मंडावर-उत्तराखंड मार्ग पर जाम लगा दिया। इससे मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया। ग्रामीणों के अनुसार, शिवम उर्फ टोनी मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी



मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे के बाद उन्होंने सक्रियता दिखाते हुए दुर्घटना में शामिल वाहन का नंबर, चालक का नाम और अन्य जानकारी जुटाकर पुलिस को सौंप दी थी।

इसके बावजूद आरोपी चालक के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट ग्रामीण शुक्रवार को सड़क पर उतर आए और ग्राम देवीदास वाला के पास मंडावर-उत्तराखंड मार्ग पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने आरोपी चालक को

तत्काल गिरफ्तार करने, मृतक के परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा अथवा सरकारी नौकरी दिलाने और मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि जब दुर्घटना में शामिल वाहन और चालक के संबंध में जानकारी पुलिस को दी जा चुकी है, तो आरोपी की गिरफ्तारी में देरी क्यों हो रही है। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्यामानुसार कारण बताओ नोटिस न्याय दिलाने और दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। समाचार लिखे जाने तक पुलिस और प्रशासन की ओर से जाम खुलवाने तथा ग्रामीणों को समझाने के संबंध में आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी थी।

एटीएम फ्रॉड करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, छह मोबाइल और नकदी बरामद

एटीएम में उपकरण लगाकर लोगों के खाते से निकालते थे रुपये, नजीबाबाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबोचा

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद थाना पुलिस ने एटीएम फ्रॉड करने वाले गिरफ्तार के दो आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक सेंद्रो कार, छह अदर मोबाइल फोन, टिन व लकड़ी के दो-दो बॉक्स, एटीएम कार्ड और एटीएम मशीन में उपकरण लगाने के सामान सहित 6400 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमों में धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं में बढ़ोतरी की है। पुलिस के अनुसार, 15 अक्टूबर को ग्राम नई बरौती गढ़मलपुर निवासी वसीम पुत्र निजामुद्दीन ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके एटीएम से बिना जानकारी के पांच हजार रुपये निकाल लिए। इसी दिन ग्राम इस्सेपुर निवासी हनी राज पुत्र नवीन कुमार ने भी शिकायत दर्ज कराई कि उसके एटीएम से दस हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा



318(4) के तहत मुकदमे दर्ज किए थे। मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। शुक्रवार, 16 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरिफ पुत्र ताहिर निवासी ग्राम फूलसंडा, थाना नहटौर तथा शकील पुत्र खैराती निवासी मोहल्ला छापीग्राम, थाना नहटौर, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस के

मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे वृत्तुब के माध्यम से एटीएम से धोखाधड़ी कर रुपये निकालने का तरीका सीखते थे। इसके बाद एटीएम मशीन पर लोहे का बॉक्स चिपकाने वाला उपकरण लगाकर लोगों के रुपये निकालने की कोशिश करते थे। आरोपियों के अनुसार, वे मोबाइल के माध्यम से एटीएम खराब होने की बात कहकर लोगों को गुमराह करते थे। लोगों के अनुसार, नरेंद्र शर्मा और पुलिसकर्मी अंशुल अहलावत, संदीप तथा तुलमैत्र शामिल रहे।

अरिफ के खिलाफ नजीबाबाद थाने में दो मुकदमों के अलावा गाजियाबाद के खोड़ा और इंदिरापुरम थानों में भी धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, आरोपी शकील के खिलाफ नजीबाबाद थाने में दो मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सहित उपनिरीक्षक कश्यप अली, नरेंद्र शर्मा और पुलिसकर्मी अंशुल अहलावत, संदीप तथा तुलमैत्र शामिल रहे।

धूमधाम से निकली भगवान श्रीराम की भव्य बारात, जगह-जगह हुआ स्वागत

रामलीला मैदान से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी राम बारात, श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला महोत्सव के अंतर्गत भगवान श्रीराम की भव्य बारात धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकली गई। राम बारात में नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। बारात के दौरान जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। भगवान श्रीराम के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। राम बारात का शुभारंभ रामलीला मैदान से हुआ। इससे पूर्व रामलीला मंच पर भगवान श्रीराम का तिलक किया गया। इसके बाद रामलीला कमेटी की ओर से कार्यक्रम में पहुंचे सामाजिक एवं



गणमान्य लोगों का पटका पहनाकर स्वागत और सम्मान किया गया। इसके पश्चात भगवान श्रीराम की बारात नगर भ्रमण के लिए रवाना हुई। राम बारात का रामलीला मैदान से आरसीपी रोड होते हुए रियासत में पहुंचने पर कुमार पृथ्वीराज की ओर से स्वागत किया गया। इसके

बाद सब्जी मंडी स्थित शिवाजी मार्केट में अरुण कुमार वर्मा और संजय जैन ने बारात का स्वागत किया। थाना परिसर, स्टेशन रोड पर डॉ. मनोज कुमार वर्मा तथा चौराहे पर राजपाल सिंह प्रजापति सहित अन्य लोगों ने राम बारात का अभिन्दन किया। नगर के विभिन्न

मार्गों से गुजरती हुई बारात मुरादाबाद रोड के रास्ते वापस रामलीला मैदान पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष नीरज सिंह राणा, पीयूष रस्तोगी, श्वेत रस्तोगी, अश्वनी बिस्नोई, डॉ. यज्ञदत्त गौड़, रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी, अमर सिंह वर्मा, सुनील कुमार शर्मा, महेन्द्र कुमार शर्मा, पप्पू पंडित सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। राम बारात के दौरान पुलिस प्रशासन भी व्यवस्था बनाए रखने में जुटा रहा। राम बारात का संचालन राजपाल सिंह प्रजापति ने किया। आयोजन में नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धार्मिक आयोजन को भव्यता प्रदान की।

नजीबाबाद में रामलीला मंच पर हुआ लंका दहन का मंचन, हनुमान-रावण संवाद रहा आकर्षण

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- श्री राम जानकी कला परिषद के तत्वावधान में श्री रामलीला मंच पर लंका दहन की लीला का भव्य मंचन किया गया। हनुमान जी द्वारा लंका दहन और रावण दरबार के दृश्यों ने दर्शकों का मन मोह लिया, वहीं दोनों के बीच का संवाद मुख्य आकर्षण रहा। लीला में आकाश नामदेव (हनुमान), अंकुर



गुप्ता (रावण), शिवम गोयल (राम), शिवम शर्मा (लक्ष्मण) और वंश कुशवाहा (सीता) ने अपने अभिनय से जान फूंक दी। संरक्षक अश्वत कुमार अग्रवाल, निर्देशक हरिओम सिंघल और मंत्री नरेंद्र कुमार शर्मा के निर्देशन में हो रहे इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी पहुंच रहे हैं।

दहेज और उत्पीड़न मामले में नजीबाबाद थाने में पति समेत 6 पर केस दर्ज

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- दहेज की मांग को लेकर विवाहिता से प्रताड़ना और मारपीट के मामले में पुलिस ने पति समेत छह ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मोहल्ला मकबरा निवासी मधू

का विवाह नवंबर 2023 में मुजफ्फरनगर निवासी अर्जुनपाल के साथ हुआ था। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा 5 लाख रुपये नकद दहेज की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर उनके

साथ अभद्र व्यवहार व मारपीट की गई और बच्चों से भी दूर करने का प्रयास किया गया। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर नजीबाबाद थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर पति अर्जुनपाल, ममता, बर्बोता,

रविकांत, प्रवीन और अमित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS), दहेज प्रतिषेध अधिनियम और एससी/एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नजीबाबाद में बाल श्रम के खिलाफ छापेमारी, 9 बच्चे मुक्त कराए

दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी, बच्चों के पुनर्वास और शिक्षा की प्रक्रिया शुरू

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में बाल श्रम पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला प्रोवेशन अधिकारी के निर्देशन में शुक्रवार को नजीबाबाद क्षेत्र में विशेष बाल श्रम रोकथाम अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न बाजारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण कर नौ बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। वहीं, संबंधित दुकानदारों और सेवायोजकों को न्यामानुसार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। अभियान में प्रभारी सहायक श्रम आयुक्त अजय आनंद त्रिपाठी, एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग यूनिट (एचटीयू) के थाना प्रभारी लखपत सिंह, संरक्षण अधिकारी रूबी गुप्ता,



चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक हिमांशु पाराशर, नीति आयोग के कार्मिक पुष्पेंद्र गोस्वामी, श्रम निरीक्षक प्रीति सोम, जस्ट राइट्स संस्था के मैनेजर गजेंद्र सिंह सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि शामिल रहे। संयुक्त टीम ने नजीबाबाद के विभिन्न बाजारों और

दुकानों पर पहुंचकर बाल श्रम की स्थिति का निरीक्षण किया। अभियान में मुक्त कराए गए सभी नौ बच्चों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत कर उनके पुनर्वास और शिक्षा की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। अभियान का उद्देश्य बच्चों को श्रम से मुक्त करारकर उन्हें शिक्षा

से जोड़ना और उनके बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है। श्रम विभाग और प्रशासन ने प्रतिष्ठान संचालकों को चेतावनी दी है कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से प्रतिबंधित रोजगार में काम कराना तथा 14 से 18 वर्ष तक के किशोरों को कानून के तहत प्रतिबंधित जोखिमपूर्ण कार्यों में लगाना दंडनीय अपराध है। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठान स्वामियों के खिलाफ बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाल श्रम की रोकथाम के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

अपना दल (एस) ने स्योहारा में भरी संगठन विस्तार की हुंकार, युवाओं को सौंपी जिम्मेदारी

अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में पार्टी को बृथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प, नए पदाधिकारियों की नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- अपना दल (एस) ने बिजनौर जनपद में संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। स्योहारा के ठाकुरद्वारा रोड स्थित एक बैंकवेट हॉल में आयोजित संगठनात्मक बैठक में पार्टी के विस्तार, युवाओं की भागीदारी और नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपने पर जोर दिया गया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी एडवोकेट मुख्य अतिथि तथा जिला उपाध्यक्ष आकाश तोमर विरिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन में सक्रिय भागीदारी और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों की गईं। नई जिम्मेदारियां मिलने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। बैठक में डॉ. वीरेंद्र पुष्पक को चिकित्सा मंच का जिला महासचिव, नीतू जीवांशी को



प्रबुद्ध मंच का जिला उपाध्यक्ष, आलोक चौधरी को धामपुर विधानसभा अध्यक्ष, अलोक कुमार शर्मा को स्योहारा मंडल अध्यक्ष तथा शहाबुद्दीन अंसारी को अल्पसंख्यक मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन को मजबूत करेंगे, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और जनसमस्याओं को उठाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी एडवोकेट ने कहा कि अपना दल (एस) का राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में पार्टी सामाजिक न्याय, समान अवसर और वंचित वर्गों की भागीदारी जैसे मुद्दों को लेकर आगे बढ़ रही है। संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। प्रत्येक पदाधिकारी को अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाते हुए गांव-गांव

और घर-घर तक पार्टी की नीतियों एवं विचारों को पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन को विस्तार केवल पद बांटने से नहीं, बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने से होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय बनाए रखने तथा युवाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। जिला उपाध्यक्ष आकाश तोमर ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके जमीनी कार्यकर्ताओं, युवाओं की सक्रिय भागीदारी और जनता के बीच उसकी विश्वसनीयता से तय होती है। अपना दल (एस) में युवाओं के लिए आगे बढ़ने और संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभाने के अवसर हैं। युवाओं को केवल दशक बनकर नहीं, बल्कि समाज और संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारी

समझते हुए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में पार्टी को जनपद बिजनौर के प्रत्येक क्षेत्र में मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। जिलाध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी एडवोकेट के मार्गदर्शन में संगठन को गांव, न्याय पंचायत, ब्लॉक और विधानसभा स्तर तक सक्रिय बनाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने पद को सम्मान के साथ-साथ जिम्मेदारी समझें और जनता के बीच रहकर पार्टी की पहचान मजबूत करें। बैठक में सोमपाल सिंह, कमल सिंह, महेश कुमार, साहिल जोशी, शिवम जोशी, विकास जोशी, अर्जुन जोशी, शहाबुद्दीन, हिमांशु, आलोक कुमार, नीतू जोशी, आलोक चौधरी, जयशंकर शर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक एकजुटता बढ़ाने, नए पदाधिकारियों को सक्रिय करने और पार्टी के विस्तार को गति देना रहा।

भीषण सड़क हादसे में पांच की मौत, तीन गंभीर घायल

बेलौन दर्शन के लिए आ रहा था परिवार, अज्ञात वाहन को बचाने में पेड़ से टकराई कार

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- तहसील डिबाई के नरीरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल अलीगढ़ रेफर किया गया है,जानकारी के अनुसार, जिला कासगंज के सिड्पुरा थाना क्षेत्र के गांव देहली बुजुर्ग निवासी एक परिवार डिबाई तहसील क्षेत्र के तीर्थस्थल बेलौन में दर्शन



करने आ रहा था। बताया जा रहा है कि बेलौन की सीमा में प्रवेश करते ही चालक ने किसी अज्ञात वाहन को बचाने का प्रयास किया, इसी

दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर

रूप से घायल हो गए,हादसे की सूचना मिलते ही नरीरा और डिबाई पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को डिबाई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर हालत में तीन घायलों को जिला अस्पताल अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। मृतकों में तीन पुरुष, एक महिला और एक बच्ची शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस हादसे के संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल करने समेत छह मांगों को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

असमय बारिश से फसल नुकसान का मुआवजा, सरता आलू बीज और खाद की पर्याप्त उपलब्धता की उठाई मांग

फतेहपुर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने शुक्रवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह गौतम के नेतृत्व में संगठन ने आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य बढ़ाकर 500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने समेत छह प्रमुख मांगें उठाईं। ज्ञापन में कहा गया कि गन्ना प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है और लाखों किसान परिवारों की आजीविका इससे जुड़ी है। डीजल, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और कृषि मजदूरी की लगातार लगातार बढ़ रही है, लेकिन गन्ने के मूल्य में लगातार के अनुरूप वृद्धि नहीं हुई है। संगठन ने किसानों को



समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने की भी मांग की। किसान यूनियन ने जल की असमय बारिश और तेज हवाओं से धान, उड़द, मूंग समेत अन्य फसलों को हुए नुकसान का गांववार सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को मुआवजा और फसल बीमा की राशि शीघ्र दिलाने की मांग की। साथ ही खेतों और खलिहानों में रखी उपज को हुए नुकसान को भी नियमानुसार राहत में शामिल करने की बात कही।

ज्ञापन में आलू किसानों को कोल्ड स्टोर के किराये में सहायता देने की व्यवस्था का लाभ शासनादेश जारी होने से पहले आलू निकाल चुके किसानों को भी देने की मांग की गई। संगठन ने उद्यान विभाग द्वारा आलू का बीज 3600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उपलब्ध कराए जाने पर आपत्ति जताते हुए इसकी कीमत अधिकतम 1500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग रखी। इसके

अलावा ठेके और बटाई पर खेती करने वाले वास्तविक किसानों को भी मुआवजा एवं राहत योजनाओं का लाभ देने, ग्राम पंचायत, लेखपाल और कृषि विभाग के संयुक्त सत्यापन से उनके पहचान करने तथा यूरिया और डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की गई। संगठन ने खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई। जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह गौतम ने कहा कि बढ़ती कृषि लागत, प्राकृतिक आपदाओं और बाजार की अनिश्चितताओं के बीच किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से सभी मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया गया।

मण्डलीय अपर निदेशक ने जिला संयुक्त चिकित्सालय का किया निरीक्षण

अमरौहा (सब का सपना):- मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मुरादाबाद मण्डल डॉ. आशु कुमार अग्रवाल ने जिला संयुक्त चिकित्सालय का विस्तृत निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उन्होंने आई.पी.एच.एल. लैब का मुआयना किया और निदेश दिए कि सभी जांचें गुणवत्तापूर्ण हों तथा मरीजों को समय से रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद एन.आर.सी. वार्ड में कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई और कहा कि बच्चों के पोषण का विशेष ध्यान रखा जाए तथा मापडंड के अनुसार उन्हें माता के साथ भर्ती रखा जाए। डेजू वार्ड में भर्ती मरीजों



से बातचीत कर उनकी संतुष्टि जानी। मरीजों ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा नियमित परीक्षण किया जाता है और दवाइयां समय पर मिल रही हैं। एम.सी.एच. विंग के गायनी विभाग का निरीक्षण करते हुए प्रसूताओं से सुविधाओं की जानकारी ली गई।

गायनी ओ.टी. में नियमित/संविदा स्त्री रोग विशेषज्ञ न होने की जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्तर से एन.एच.एम. योजना अंतर्गत ऑन-कॉल विशेषज्ञ बुलाकर ऑपरेशन कराए जा रहे हैं। चिकित्सालय में प्रतिमाह लगभग

100 एल.एस.सी.एस. ऑपरेशन और 150 सामान्य प्रसव होते हैं। एस.एन.सी.यू. में 15 मशीनें उपलब्ध हैं और वर्तमान में 15 नवजात बच्चे भर्ती हैं। ब्लड बैंक के अधिलेखों की जांच से संतुष्ट होकर पर्याप्त स्टॉक रखने का निर्देश दिया गया। साफ-सफाई व्यवस्था देखकर भी संतोष जताया और निजी चिकित्सालयों जैसी व्यवस्था बनाए रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकान्त सागर, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अश्वनी कुमार भण्डारी, मैट्रन गीता राजपूत एवं फार्मासिस्ट ओमजंग बहादुर पाल उपस्थित रहे।

एन. आर. ग्लोबल स्कूल में नवरात्रि एवं दशहरा उत्सव का आयोजन, नन्हें विद्यार्थियों ने सीखे भारतीय संस्कृति के संस्कार

गुलावटी/बुलंदशहर (सब का सपना):- एन. आर. ग्लोबल स्कूल, गुलावटी में आम नर्सरी से यूकेजी तक के विद्यार्थियों के लिए नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में एक विशेष सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं तथा त्योहारों के नैतिक, आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अरती चपराना एवं डायरेक्टर डॉ. विनय खारी ने विद्यार्थियों को नवरात्रि पर्व के महत्व तथा माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना के पीछे निहित भावनाओं और आदर्शों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि नवरात्रि हमें शक्ति,



साहस, ज्ञान, भक्ति और सकारात्मकता का संदेश देती है। साथ ही, दशहरा पर्व के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की विजय तथा सत्य और सदाचार के महत्व को समझाया गया। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। गतिविधि के अंतर्गत नन्हें विद्यार्थियों ने माँ दुर्गा एवं नौ देवियों के विभिन्न

स्वरूपों को आकर्षक वेशभूषा में प्रस्तुत किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभववात्मक शिक्षण का अवसर मिला, जिससे उन्होंने अपनी सांस्कृतिक विरासत को रोचक एवं सहज तरीके से समझा। कार्यक्रम को सफल बनाने में किंडरगार्टन विभाग की शिक्षिकाओं

सोनिका मैम, खुशबू मैम, संतोष मैम, नेहा मैम, दीक्षा मैम, तनु मैम, दीपमाला मैम एवं तान्या मैम का सराहनीय योगदान रहा। सभी शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बच्चों को गतिविधि के लिए तैयार किया और उनके सीखने के अनुभव को प्रभावी एवं आनंदमय बनाया। विद्यालय में आयोजित इस प्रकार की गतिविधियाँ प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के महत्वपूर्ण उद्देश्यों को पूरा करती हैं। इनके माध्यम से बच्चों में सांस्कृतिक जागरूकता आत्मविश्वास,अभिव्यक्ति कौशल रचनात्मकता तथा नैतिक मूल्यों का विकास होता है। यह आयोजन शिक्षा को कक्षा-कक्ष तक सीमित न रखते हुए एसे जीवन, संस्कृति और व्यवहार से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास रहा।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत निकाली जागरूकता रैली, साइबर अपराधों से बचाव के बताए तरीके

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के अंतर्गत थाना अगौता पुलिस ने विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान आदर्श जनता इंटर कॉलेज गढ़िया मानपुर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली सनराइज ग्लोबल स्कूल, मानपुर से होते हुए गढ़िया चौराहा पहुंची और ग्राम अकबरपुर रैना तक निकाली गई। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों और आमजन को सुरक्षा, जागरूकता तथा डिजिटल सतर्कता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ उपनिरीक्षक सत्यवीर सिंह तथा मिशन शक्ति प्रभारी अनेखेलाल गंगवार ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के दुपुष्टि इस्तेमाल



के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारीयां दीं। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहना बेहद जरूरी है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी अथवा निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और अनजान लोगों के झांसे में आने से बचना चाहिए। थाना अगौता की मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, उनके अधिकारों और शासन की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी

योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान आपातकालीन सहायता के लिए 112, महिला हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और महिला हेल्पलाइन 181 सहित विभिन्न सहायता नंबरों के बारे में जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या या उल्टीड़न की स्थिति में पीड़ितों को चुप रहने के बजाय संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस से सहायता लेनी चाहिए। अभियान के दौरान मुख्यमंत्री अभ्युद्य योजना के

अंतर्गत छात्र-छात्राओं को करियर मार्गदर्शन के प्रति भी जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, शिक्षा के प्रति गंभीर रहने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है। साथ ही, साइबर अपराधों के प्रति सतर्कता बढ़ाकर आमजन को महत्वपूर्ण हिस्सा है। पुलिस की इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों और आमजन को महिला सुरक्षा, साइबर जागरूकता, सरकारी योजनाओं तथा करियर निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयां देकर जागरूकता का संदेश दिया गया।

फतेहपुर में 12 करोड़ से बनेगा राधानगर थाने का नया भवन, एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने रखी पहली ईंट

फतेहपुर (सब का सपना):- राधानगर थाने को अब नया भवन मिलने जा रहा है। बांदा-सागर रोड पर मंडी समिति के पास करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से नए थाना भवन का निर्माण कराया जाएगा। भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य की शुरुआत हुई, जहां पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने पहली ईंट रखी। करीब दो साल में भवन बनकर तैयार होने का लक्ष्य रखा गया है। तस्वीरें फतेहपुर जनपद के राधानगर थाना क्षेत्र की हैं, जहां थाने के नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बांदा-सागर रोड पर



मंडी समिति के पास बनेने वाले इस भवन पर करीब 12 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। भूमि पूजन के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु

मांगलिक ने निर्माण स्थल पर पहली ईंट रखी और नए भवन के निर्माण की शुरुआत हुई। निर्माण से जुड़े उपलब्ध दस्तावेज के मुताबिक,

भवन निर्माण की जिम्मेदारी चंद्रा ब्रदर्स इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड की दी गई है। परियोजना को लगभग दो साल में पूरा करने का लक्ष्य है। नया भवन तैयार होने के बाद पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्यस्थल और आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। फिलहाल, अब निर्गहर् निर्माण कार्य की प्रगति पर रहेगी। देखना होगा कि करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से बनेने वाला राधानगर थाने का नया भवन निर्धारित समय सीमा में बनकर तैयार होता है या नहीं।

शनिदेव मंदिर के पास मोबाइल छिनेती पुलिस ने जारी की सीसीटीवी तस्वीरें, सूचना देने वाले को 25,000 का इनाम

फतेहपुर (सब का सपना):- शहर के कोतवाली नगर क्षेत्र में हुई मोबाइल छिनेती की घटना के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनता से सहयोग की अपील की है। अज्ञात अभियुक्तों की सही पहचान बताने वाले को 25,000 नकद पुरस्कार दिया जाएगा पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार की शाम करीब 7:30 बजे, फतेहपुर शहर स्थित शनिदेव मंदिर के पास सेफेन रंग की अपील मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवकों ने वादी आलोक पटेल का काले रंग का आईफोन-15, 128 जीबी छीन लिया और मौके से फरार



हो गए। इस संबंध में थाना कोतवाली नगर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत है।सीसीटीवी से मिले अहम सुराग,घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन से युवकों की पहचान में सहायक ये जानकारीयां

मिली हैं,घटना में प्रयुक्त वाहन सफेद रंग की अपाची मोटरसाइकिल है।पीछे बैठे युवक की टी-शर्ट के पिछले हिस्से पर"उड"लिखा हुआ है। युवकों की अंतिम लोकेशन अल्लूरीपुर बहरा क्षेत्र में मिली

ऐरायां ब्लॉक में 209 जोड़ों का सामूहिक विवाह, एक मुस्लिम जोड़े का हुआ निकाह

मुख्य अतिथि उषा मौर्या और ब्लॉक प्रमुख अनुज प्रताप सिंह ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

खागा/फतेहपुर (सब का सपना):- विकासखंड ऐरायां के ब्लॉक परिसर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह एवं निकाह समारोह आयोजित किया गया। इसमें ऐरायां, भिटौरा और हथगाम विकासखंडों के कुल 209 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इनमें एक मुस्लिम जोड़े का निकाह भी संपन्न कराया गया। समारोह में नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों में उत्साह देखने को मिला। आयोजन में ऐरायां विकासखंड से 60, भिटौरा से 71 और हथगाम से



78 जोड़े शामिल हुए। सभी जोड़ों ने रीति-रिवाजों के अनुसार वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की। समारोह की मुख्य अतिथि उषा मौर्या

ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। ब्लॉक प्रमुख अनुज प्रताप सिंह ने नवविवाहित जोड़ों को बधाई देते

हुए। कहा कि वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और आपसी सहयोग बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने सभी जोड़ों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटीयों के विवाह में सहायता प्रदान करना है। योजना के तहत आयोजित समारोह में विभिन्न विकासखंडों के परिवारों ने भाग लिया और नवदंपतियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान कब्जे परिसर में उत्सव का माहौल रहा।

कोटे से राशन लेने जा रहे किसान को ट्रक ने मारी टक्कर, इलाज को ले जाते समय किसान की हुई मौत

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले में थाना क्षेत्र में एक किसान सरकारी कोटेदार से राशन लेने जा रहे किसान को तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए पहले सीएचसी थारियावं भेजा गया।जहाँ गंभीर हालत में डाक्टरों गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया है। जहां ले जाते समय किसान की रास्ते में मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के अनुसार थरियावं थाना क्षेत्र के रामपुर थरियावं मंजरे करनपुर गांव



निवासी 65 वर्षीय रामा लोधी पुत्र छोटा गांव में रहकर खेती किसानी कार्य कर परिवार का भरण पोषण करता था।शुक्रवार की दोपहर लगभग 12:00 बजे कस्बा थरियावं

से राशन की सरकारी दुकान से राशन लेने जा रहा था। जैसे ही जीटी रोड श्यामा मैरिज लॉन के सामने पहुंचे। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया।टक्कर लगते ही

किसान गंभीर रूप से घायल हो गया।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल भेजा। जहां ले जाते समय रास्ते में कोई किसान की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौत की खबर सुनते ही बेटा सुरेश, राजेश, नीरज, बेटे सुशीला, अनीता व पत्नी रामपती का री-रो कर हाल-बेहाल रहा। इस मामले में थाना प्रभारी शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेजकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दुर्गाष्टमी पर विहिप मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी ने किया भव्य आयोजन, नारी शक्ति और संस्कृति संरक्षण पर जोर



संभल(सब का सपना):- विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी के तत्वावधान में शुक्रवार को पावन पर्व दुर्गाष्टमी के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं बालिकाओं ने सहभागिता कर मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता मातृशक्ति की जिला संयोजिका दीपा कपर्णेय ने अपने संबोधन में नारी शक्ति के महत्व और भारतीय संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा का स्वरूप धर्म की रक्षा, साहस और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने की प्रेरणा देता है। वर्तमान समय में मातृशक्ति को संगठित होकर अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि पूतम शुक्ला ने महिलाओं को संबोधित करते हुए समाज निर्माण, संगठन की मजबूती और सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन में नारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में पुष्पा और कनिष्का का विशेष योगदान रहा। उन्होंने जिम्मेदारी के साथ आयोजन की व्यवस्थाएं संभालीं, जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ। अंत में मां दुर्गा की भव्य आरती उतारी गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान संगठन की अन्य कार्यकर्ता एवं नागरिक भी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहे युवक को कुचला, मौत
एजेंसी
ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में रक्षा अडैला सोसाइटी के समीप बुधवार की रात एक बेकाबू कार ने सड़क पर पैदल जा रहे एक ई-रिक्षा चालक को टक्कर मार दी। आरोपी कार सवार रिक्षा चालक को करीब 100 मीटर तक घसीट कर ले गया। इसके बाद वह कार लेकर मौके से भाग गया। घायल युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। पुलिस आरोपी कार चालक की तलाश में जुटी है। बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक मूलरूप से हाफिजपुर हापुड़ का रहने वाला 47 वर्षीय पप्पन जाटव गजियाबाद क्रांसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की राहुल विहार कॉलोनी में परिवार के साथ रहता था। पप्पन ग्रेनो वेस्ट में ई-रिक्षा चलाता था। पुलिस के मुताबिक बुधवार की रात वह सड़क पर पैदल जा रहा था। इसी बीच एक तेज रफ्तार बेकाबू कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद पप्पन कार के नीचे फंस गया। आरोपी चालक ने कार को रोकने की बजाय दौड़ा दिया। युवक को करीब 100 मीटर तक घसीट कर ले गया। इसके बाद वह कार लेकर मौके से भाग गया। इस बीच रिक्षा चालक पप्पन की मौत हो गई।हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने घटना की सूचना पत्रिकों में को दी। परजिन भी मौके पर पहुंच गए। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि सीसीटीवी की मदद से कार की पहचान कर ली गई है। पुलिस कार नंबर से आरोपी चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। आरोपी चालक को गिरफ्तार कर कार को कब्जे में लिया जाएगा।

सपाइयों ने पूर्व राष्ट्रपति कलाम की जयंती मनाई
एजेंसी
ग्रेटर नोएडा। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई। कार्यकर्ताओं ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। डॉ. कलाम के जीवन पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। वहीं इस दौरान विधान परिषद सदस्य (स्नातक) चुनाव की तैयारियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। जिलाध्यक्ष इंंदर प्रधान ने कहा कि मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने चार दशकों तक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में सेवा देकर देश के अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रम को नई ऊंचाई दी। उनके प्रयासों से भारत परमाणु शक्ति बना। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर एमएलसी चुनाव के लिए मतदाताओं से संपर्क करने का आह्वान किया। वहीं राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भाटी ने कहा कि डॉ. कलाम महान वैज्ञानिक और युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं। पार्टी एमएलसी चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी। इस मौके पर मेरठ खंड स्नातक एमएलसी प्रत्याशी परमेंद्र भाटी एडवोकेट ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से परेशान शिक्षित नौजवान समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदान करने जा रहा है। इस मौके पर जगबीर नंबदार, मेहंदी हसन, मिंटी खारी, कपिल ननका, विनोद लोहिया, हरवीर प्रधान सहित सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पांव हजार छात्रों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक
एजेंसी
ग्रेटर नोएडा। मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत गौतमबुद्धनगर पुलिस ने गुरुवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कराया। इसमें करीब पांच हजार विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ रक्षित टंडन ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया के खतरों और साइबर अपराध से बचाव के तरीके बताए। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा सुनिित और अपर पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा मनोषा सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम पर रक्षित टंडन ने विद्यार्थियों को फिशिंग, ओटीपी और बैंकिंग फ्राड, डिजिटल अरेस्ट, पहचान चोरी, साइबर बुलिंग और ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग जैसे अपराधों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में अनजान लिंक पर क्लिक करने, सदिग्ध कॉल और मैसेज पर भरोसा करने तथा निजी या बैंकिंग जानकारी साझा करने से बचना चाहिए। ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय भी सतर्कता जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन अपराधों से जुड़े सवाल पूछे। संबंधित थानों की साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों ने सरल उदाहरणों के माध्यम से उनकी शंकाओं का समाधान किया। विद्यार्थियों को डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने और साइबर अपराध की शिकायत समय पर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

दशहरे के पर्व का महत्व बताया
एजेंसी
ग्रेटर नोएडा। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में गुरुवार को प्री-प्राइमरी से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों के लिए दशहरा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को दशहरे के पर्व का महत्व बताया गया। शिक्षकों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और रावण से जुड़ी रामायण की कहानी सरल एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत की। बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और बुराई पर अच्छाई की जीत का नैतिक सीखा। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, सदैव मूल्यों और अच्छे संस्कारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम ने बच्चों को सत्य, सदाचार और अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

ददिया सास ने पोत्र बहू की मूसली से वार कर की हत्या, एक माह की बच्ची हुई अनाथ , हत्या में षड्यंत्र की आशंका



आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- थाना आदमपुर क्षेत्र के गांव बुखारीपुर में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहाँ ददिया सास ने अपनी 20 वर्षीय पोत्र बहू पायल की मूसली से वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

15 दिन पहले पति की हुई थी मौत

गुरुग्राम: छात्रा को अक्षील मैसेज भेजने वाले शिक्षक को तीन साल की सजा



एजेंसी
गुरुग्राम। शहर के एसडी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की 7वीं कक्षा की छात्रा को इंस्टाग्राम पर जबनर फॉलो करवाकर अक्षील मैसेज भेजने वाले शिक्षक को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। दोषी को न्यायाधीश सुनीता श्रोवर को कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई है। इस फैसले के बाद दोषी शिक्षक ने हाईकोर्ट में अपील के लिए समय मांगा। जिसके बाद कोर्ट से उसे जमानत मिल गई है। पॉड़िता का केस लड़ रहे अधिवक्ता दिनेश गुप्ता ने बताया कि साल 2024 में आरोपी शिक्षक संजू वर्मा ने अपनी ही स्कूल में पढ़ते वाली छात्रा को जबनर अपनी इंस्टाग्राम आईडी फॉलो करवाई और उसके बाद अक्षील मैसेज भेजे थे। परजिनों की शिकायत पर थाने में केस दर्ज किया गया था। एडवोकेट दिनेश गुप्ता ने बताया कि इस तरह के अपराध बेहद गंभीर हैं। क्योंकि एक शिक्षक द्वारा अपनी ही छात्रा के साथ इस तरह की हरकत करना समाज के लिए घातक है और बच्ची की मानसिक स्थिति पर भी गंभीर असर डालता है। उन्होंने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता और अंचोर सेवा संस्थान के संस्थापक ऋतुराज यह केस उनके पक्ष लेकर आए थे। इसे सामाजिक जिम्मेदारी समझकर उन्होंने यह केस लड़ा। न्यायाधीश सुनीता श्रोवर को कोर्ट ने आरोपी को तीन साल की सजा सुनाई है।

पानी की किल्लत को लेकर महिला संगठन प्राधिकरण अधिकारियों के साथ की बैठक

एजेंसी
नोएडा। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के नेतृत्व में गुरुवार को सैकड़ों महिलाओं ने प्राधिकरण के जल विभाग के सेक्टर-5 कार्यालय पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर जापान सौंपा और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। इसका नेतृत्व समिति की दिल्ली एनसीआर राज्य अध्यक्ष आशा यादव ने किया। बैठक में महिलाओं ने पानी हमारा हक है, जल ही जीवन है-नारे लगाते हुए कहा कि सेक्टर-8, 9, 10 और सेक्टर-5 की झुग्गी-बस्तियों में पाने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। नियमित आपूर्ति नहीं होने से महिलाओं की घंटों पंक्ति में लगना पड़ता है, जिससे मजदूरी, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जिलाध्यक्ष रेखा चौहान ने बताया कि ज्ञान प्राधिकरण के जल विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक अशोक वर्मा ने लिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया



कि शीघ्र ही उनकी समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। समिति ने सात दिवस के भीतर ठोस कार्रवाई की मांग की है, अन्यथा आंदोलन और तेज करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि झुग्गियों में पानी की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति सुनिश्चित नहीं होने की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। कई बार मांग करने के

मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज को किसी भी सूरत में बर्बाद नहीं होने देंगे: जाकिर हुसैन

एजेंसी
नूंह। मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज (वक्फ) को लेकर चल रहे विवाद के बीच भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक जाकिर हुसैन ने गुरुवार को अपने नूंह स्थित निवास पर प्रेसवार्ता कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज को किसी भी सूरत में बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। कॉलेज को सुचारू रूप से चलााने और विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा मामले को लेकर भातिवां फैलाई जा रही हैं। जाकिर हुसैन ने कहा कि वह कॉलेज में अनियमितताओं, शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों की समस्याओं तथा विद्यार्थियों को होने वाली परेशानियों को लेकर गंभीर हैं। कॉलेज और हॉस्टल से जुड़ी समस्याओं



28 सितंबर को हुई थी। आरोप है कि फुफेरे भाई के द्वारा जहर खाने के बाद से और मौत के बीच गांव वालों तथा दीपक की माता और बहन को भी उससे मिलने नहीं दिया गया था। सूत्रों के अनुसार संदेह जताया जा रहा है कि यह आत्महत्या न होकर हत्या ही हो सकती है।

जमीन के बैनामे को लेकर था विवाद

सूत्रों के मुताबिक दीपक ने अपने मरने से कुछ दिन पूर्व ही अपने किसी सगे रिश्तेदार को कुछ जमीन का

बैनामा कराया था। आरोप है कि इसके बाद उसे जमीन के पूरे रुपए नहीं दिए गए। इससे आहत होकर दीपक ने आत्महत्या कर ली थी। इस मामले को लेकर भी परिवार में काफी विवाद चल रहा था।

फुफेरे भाई पर षड्यंत्र का आरोप
वहीं दूसरी तरफ सूत्रों के अनुसार पता चला है कि दीपक की मौत के बाद से उसका सगा फुफेरा भाई दीपक के घर पर ही रह रहा था। आरोप है कि वह दीपक की मां और बहन के साथ मारपीट भी करता था।



कहा जा रहा है कि फुफेरे भाई की निगाहें मृतक दीपक की पत्नी पायल पर भी ठीक नहीं थीं। ऐसे में यह आशंका भी जलाई जा रही है कि हो सकता है फुफेरे भाई के द्वारा ही इस पूरी हत्या को षड्यंत्र के तहत अपनी नानी से करवाया गया हो।

आरोपी ददिया सास फरार
हालांकि यह अभी केवल आशंका और सूत्रों के हवाले से कही जा रही बात है। पुलिस इस एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल का

निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और गांव के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं आरोपी ददिया सास क्रांति मौके से फरार हो गई है। अब देखना होगा कि आदमपुर पुलिस की जांच में मामले का सही खुलासा क्या होता है। क्या यह हत्या केवल आपसी विवाद का परिणाम थी या इसके पीछे कोई गहरी साजिश थी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन से प्रेरणा लें विद्यार्थी, नशे से रहें दूर : डॉ. अशोक वर्मा



विद्यार्थियों को संबोधित किया। डॉ. अशोक वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। परिश्रम, अनुशासन, हढ़ संकल्प और शिक्षा के बल पर जीवन में बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल विकास और राष्ट्र सेवा में लगानी

चाहिए तथा नशे से हमेशा दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और भविष्य को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। डॉ. वर्मा ने कविता और गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशे की लत से पीड़ित व्यक्तियों को तिरस्कार करने के बजाय

उपचार एवं पुनर्वास के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में लौट सकें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की कार्यप्रणाली और नशे के खिलाफ जनसहभागिता के महत्व की जानकारी भी दी गई। डॉ. वर्मा ने नशे से संबंधित सूचना देने के लिए राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन नंबर 1933 तथा हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की हेल्पलाइन 90508-91508 की जानकारी देते हुए लोगों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर करण सिंह, यतीन चावला और राज कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

शिकायतों के निपटान की तीन दिन में एटीआर प्रस्तुत करें

एजेंसी
गुरुग्राम,। नगर निगम गुरुग्राम की अतिरिक्त आयुक्त एवं नोडल अधिकारी पूजा चांवरिया द्वारा गुरुवार को सीएम विंडो एवं जन संवाद प्रोवेंस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की गई। नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निपटान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस समीक्षा बैठक में सभी जोन के कनिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अतिक्रमण शाखाओं में लंबित



शिकायतों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान सामने आया कि अतिक्रमण शाखाओं में काफी शिकायतें लंबित हैं। इन शिकायतों के समयबद्ध निपटान को प्राथमिकता देते हुए पूजा चांवरिया ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक शिकायत पर अगले तीन दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट निर्धारित समयसीमा में प्रस्तुत करें। अतिरिक्त निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को केवल लंबित सूची से हटाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि प्रत्येक मामले में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए उसकी स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज की जाए। संबंधित अधिकारी शिकायतों की प्रकृति और

मौके की स्थिति के अनुसार कार्रवाई करें, ताकि नागरिकों को उनकी शिकायतों पर हुई प्रगति की जानकारी मिल सके। बैठक में सभी जोन के कनिष्ठ अभियंताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा करने और निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्रवाई पूरी करने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। तीन दिन के भीतर एटीआर प्रस्तुत करने के निर्देश का उद्देश्य शिकायतों के निपटान की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित, जवाबदेह और समयबद्ध बनाना है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे शिकायतों के निपटान में तत्परता बरतें। कार्रवाई की रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करें, ताकि लंबित मामलों की प्रभावी निगरानी की जा सके और नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

नूंह साइबर पुलिस ने फर्जी लोन मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

एजेंसी
नूंह। नूंह जिला की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने दूसरे व्यक्ति के नाम पर कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए लोन राशि अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कराने के मामले में गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नूंह की मदीना कॉलोनी निवासी नसीम अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन और दुकान का रिकॉर्ड रखने वाली बिल बुक बरामद की है। वहीं, आरोपी के बैंक खाते में 933 टुंजेक्शन सामने आने के बाद पुलिस इनके संबंध में भी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, गांव घासेड़ा निवासी नसीम असद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 15 सितंबर 2026 को उसे एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज की ओर से एक सदेश प्राप्त हुआ। इसमें उसके नाम पर चल रहे लोन खाते में 1,65,944 रुपये बकाया होने की जानकारी दी गई थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसने संबंधित वित्तीय संस्थान से कोई लोन नहीं लिया था और न ही उसे लोन की कोई राशि मिली थी। इसके बाद उसने वित्तीय संस्थान से संपर्क कर मामले की जानकारी जुटाई और साइबर क्राइम थाना नूंह में शिकायत दी। शिकायत की जांच के दौरान सामने आया कि शिकायतकर्ता के नाम पर 14 जनवरी 2023 को डिजिटल सैलरीड पर्सनल लोन खाते के तहत लोन स्वीकृत कर वितरित किया गया था। जांच में लोन की राशि में से 68,761 रुपये एचडीएफसी बैंक के एक खाते में ट्रांसफर होने की जानकारी मिली। शिकायतकर्ता ने उक्त बैंक खाते को अपना मानने से इनकार किया। इसके बाद पुलिस ने बैंक रिकॉर्ड की जांच की, जिसमें संबंधित खाता नूंह की मदीना कॉलोनी निवासी नसीम अहमद के नाम पर पंजीकृत पाया गया। पुलिस ने जांच के आधार पर आरोपी नसीम अहमद को गिरफ्तार कर पूछताछ की।



सलमान ने अभिनेत्रियों की गलत तस्वीरें खिंचने पर दी बड़े एक्शन की चेतावनी

अभिनेत्रियों की बिना सहमति के गलत और अनुचित एंगल से तस्वीरें लेने वाले पेपराजी के खिलाफ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। सलमान ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की और चेतावनी दी कि बार-बार मना करने के बावजूद ऐसी गैर-जिम्मेदाराना हरकतें जारी रखने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी इस तरह के व्यवहार के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाने के लिए सलमान खान का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान, नेहा धूपिया ने विशेष रूप से अभिनेत्रियों की तस्वीरें पीछे से या ऐसे असहज जगहों वाले एंगल से खींचने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल उठाए। इस पर सलमान ने साफ तौर पर कहा कि पहले कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद, कुछ पेपराजी के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस संवेदनशील मामले को सिर्फ एक मजाक समझ रहे हैं और ऐसी तस्वीरें लेना लगातार जारी रखे हुए हैं। सलमान ने दृढ़ता से घोषणा की कि अब वह इस पूरे मुद्दे पर एक बहुत बड़ा कदम उठाएंगे। सलमान ने यह भी बताया कि कुछ बड़े मीडिया प्लेटफॉर्म भी बिना सोचे-समझे इस तरह की आपत्तिजनक तस्वीरों प्रकाशित करते हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। उनके मुताबिक, किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं की गरिमा और निजता का सम्मान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई अभिनेत्री ऐसी तस्वीरों का लेकन स्पष्ट रूप से आपत्ति जताती है, तो उसकी बात को गंभीरता से लेना और उसका सम्मान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नेहा धूपिया से कहा कि अगर मना करने के बाद भी कोई इस तरह की हरकत करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। बातचीत के दौरान सलमान ने फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों के व्यवहार पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि कुछ अभिनेता और अभिनेत्रियां खुद ही पेपराजी को बुलाते हैं और अपने प्रचार के लिए खास तरह की तस्वीरें खिंचवाते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई कलाकार अपनी इच्छा से इस तरह की तस्वीरें खिंचवाना चाहता है, तो यह उसकी निजी पसंद है। लेकिन जिन लोगों को ऐसी तस्वीरें पसंद नहीं हैं या जो अपनी निजता का सम्मान चाहते हैं, उनकी सहमति और व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान करना हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुझे पहली बार नहीं है, जब सलमान खान ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की हो। सितंबर 2026 में यौ. विंग बॉस के एक पिछले एपिसोड के दौरान, उन्होंने पेपराजी की तस्वीरें लेने की शैली पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने उस समय भी पूछा था कि महिला कलाकारों की तस्वीरें लेते समय कैमरों को उनके शरीर के खास हिस्सों पर केंद्रित करने की जरूरत क्यों पड़ती है।

**आवारापन 2 अब
प्राइम वीडियो पर**

अगर आप ऑननेता इमरान हाशमी की हिट फिल्म आवारापन 2 को थिएटर में नहीं देख पाए थे और घर बैठे इसका मजा लेने का इंतज़ार कर रहे थे, तो आपके लिए अच्छी खबर है। यह फिल्म अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित आवारापन 2 में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, पूरन गब्बी, विजयंत कोहली और सुविंदर विकी भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म अगस्त 2026 में रिलीज हुई थी और इमरान हाशमी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। इमरान हाशमी ने आवारापन 2 को एक दुर्लभ घटना कहा, क्योंकि इसे पिछली फिल्म के सीक्वल के तौर पर पेश किया गया था, पिछली फिल्म लगभग 20 साल पहले रिलीज हुई थी लेकिन थिएटर में दर्शकों को नहीं मिल पाई थी। इमरान हाशमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं, और कुछ ऐसी होती हैं जिनका हिस्सा होने पर आपको सचमुच गर्व होता है। आवारापन 2 दूसरी श्रेणी में आती है।



कैंसर के अपने अनुभव को साझा करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने कहा कि उन्होंने इस बीमारी को कभी जंग के रूप में नहीं देखा। अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए यह कठिन दौर अपने शरीर को समझने, उससे जुड़ने और जीवन के बारे में नई बातें सीखने का अवसर बना। यह बात अभिनेत्री सोनाली ने मराठी किज शो 'कोण होणार करोडपति' के प्रीमियर के दौरान कही हैं। कार्यक्रम की मेजबानी अभिनेत्री माधुरी दीक्षित कर रही हैं। शो के दौरान माधुरी दीक्षित ने सोनाली बेंद्रे के कैंसर के अनुभव का जिक्र किया और कहा कि बीमारी से उबरने के बाद दर्शकों ने उनके व्यक्तित्व का एक मजबूत रूप देखा। माधुरी ने उनके सहारा और कठिन परिस्थितियों का सामना करने के तरीके का ध्यान भी की। इसके जवाब में सोनाली ने बताया कि उस समय उनका ध्यान केवल बीमारी को हराने पर नहीं था। वह यह समझना चाहती थीं कि उनके साथ ऐसा क्यों हो रहा है और इस अनुभव से वह क्या सीख सकती हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि आमतौर पर कैंसर से उबरने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने बीमारी पर जीत हासिल कर ली, लेकिन उनके

अपने अनुभव को इस तरह के शब्दों में व्यक्त करना सही नहीं होगा। सोनाली के भूतात्मिक, बीमारी के दौरान उन्होंने जिंदगी और अपने शरीर को देखने का नजरिया बदला। उन्होंने कहा कि इस अनुभव से उन्हें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलीं। वह इसे किसी मुक़ाबले के बजाय आत्मसमझ और सीखने की प्रक्रिया के रूप में देखती हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि किसी बीमारी को जंग और जीत जैसे शब्दों से जोड़ने पर ऐसा महसूस हो सकता है, मानो व्यक्ति अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ रहा हो।

उन्होंने कहा कि शरीर के भीतर मौजूद कोशिकाएं भी उसी शरीर का हिस्सा हैं। ऐसे में बीमारी से जुड़े अनुभव को केवल लड़ाई के रूप में देखना उन्हें उचित नहीं लगता। सोनाली की बात का मुख्य भाव यह था कि बीमारी से गुजरने वाले हर व्यक्ति का अनुभव अलग होगा। किसी के लिए संघर्ष की भाषा प्रेरणा देने वाली हो सकती है, जबकि कोई दूसरा व्यक्ति अपने अनुभव को समझने और उससे सीखने पर अधिक ध्यान दे सकता है। सोनाली ने अपने दृष्टिकोण को व्यक्तिगत अनुभव के रूप में साझा किया और बताया कि इस कठिन दौर ने उन्हें अपने शरीर के प्रति अधिक समझ विकसित करने का अवसर दिया।



रणदीप हुड्डा: शोहरत के पीछे छिपी चुनौतियां

रणदीप हट्टा अपनी दमदार अदाकारी और किरदारों के लिए की जाने वाली गहन मेहनत के लिए जाने जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों को लगातार काम का दबाव, व्यस्त श्रृंगि शेड्यूल, सार्वजनिक जांच और लोगों की बेहिसाब उम्मीदों का सामना करना पड़ता है। ऐसे माहौल में मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। रणदीप को नाम मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में सामने आने के साथ एक व्यापक संवाद पर ध्यान जाता है क्या पेशेवर सफलता किसी व्यक्ति को निजी परेशानियों से बचा सकती है? दरअसल, किसी का बाहरी रूप से भीतर से अलग जगह दिखाई देना यह साबित नहीं करता कि वह सफल से भी पूरी तरह टीक है। अभिनेताओं को अवसर अपने किरदारों में गहराई से उतरना पड़ता है, जिससे वे भावनात्मक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। रणदीप जैसे कलाकार, जो अपने काम के प्रति आसक्ति समर्पित हैं, उन्हें अवसर इन आंतरिक संघर्षों से जुझना पड़ता है।

गोंधल को मिलेगी ग्लोबल पहचान

देशभर में खूब तारीफें बटोरने और 99वें अकादमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री चुने जाने के बाद, मराठी ड्रामा गोंधळ अब दुनियाभर में अपनी पहुंच बनाने का रहा है। पैन-इंडिया वायरहाउस कंपनी होम्बले फिल्मस ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म के ओवरसीज थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान अपने हाथों में ले ली है, ताकि इसे दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया जा सके। संतोष दावखर द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म गोंधळ, एक बेहद इंटेल मराठी फोक-थ्रिलर है। इस फिल्म की कास्ट की बात करें तो इसमें किशोर कदम, इशिता देशमुख, योगेश सोहोनी और निषाद भोंर्डे जैसे बेहद टैलेन्टेड एक्टरस अहम भूमिकाओं में हैं। अपनी दमदार कहानी, असली लगने वाले कल्चरल बैकग्राउंड और कामाल की विजुअल डेथ के लिए फिल्म लक्स के बीच यह फिल्म अपनी एक अलग जगह रखती है। होम्बले फिल्मस के इस कदम से भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान मिलेगी।



छह साल बाद फिर अभिनय की दुनिया में लौटने को तैयार बिपाशा बसु

बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एवेंटिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैसले के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एवेंटिंग का जवाब बिखरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। बिपाशा बसु महाद्वीप फिन्सकेकमेक हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सनी सामने नहीं आई है। फिनाल, बस इतना पता चला है कि सनी कोशल और विशाल जेटवॉय भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्यप कपूर और राघव राज कश्यप ने लिखा है। इसे ' ऑलमाइटी मोशन पिचर्स प्रोड्रेशंस ' के बैनर तले प्रकलीन सधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। वह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कोशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किन्दाार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और ईंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं।

गोविंदा-करिश्मा के बीच कोई रिश्ता होता तो जानकारी मिलती: सोमी अली

1990 के दशक के दौरान बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच रिश्ते को लेकर चर्चाएं भी हुई थीं, लेकिन उनके कथित अफेयर की कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और पदों पर उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया। इस मामले पर अब अभिनेत्री सोमी अली ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्होंने गोविंदा और करिश्मा कपूर के रिश्ते को लेकर कभी कोई अफवाह नहीं सुनी थी। एक बातचीत में सोमी अली ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में रहते हुए भी उन्हें गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच किसी प्रेम संबंध की जानकारी नहीं मिली। उन्होंने करिश्मा कपूर का जिक्र उनके लोकप्रिय उपनाम 'लोलो' और गोविंदा का जिक्र 'चिची' नाम से करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों के अफेयर की चर्चाएं एक बार भी नहीं सुनी। सोमी अली ने बातचीत के दौरान सलमान खान और करिश्मा कपूर की दोस्ती का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों कलाकारों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है और उनके बीच अच्छी दोस्ती रही है। इसके बावजूद उन्होंने कभी उनके कथित अफेयर की अफवाह भी नहीं सुनी। सोमी के मुताबिक, उस समय वह खुद भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें गोविंदा और करिश्मा के रिश्ते को लेकर कोई ऐसी जानकारी नहीं मिली थी, जिससे इन चर्चाओं की पुष्टि हो सके। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी की निजी जिंदगी या रिश्ते पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करतीं। उनके अनुसार, किसी व्यक्ति का किसी के साथ रिश्ते में रहने का फैसला उसकी व्यक्तिगत पसंद है। ऐसे मामलों में दूसरों को किसी के निर्णय पर सवाल उठाने या उसे सही-गलत सहारे का अधिकार नहीं होना चाहिए। सोमी अली ने कहा कि वह उस दौर में फिल्म जगत में मौजूद थीं। यदि गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच वास्तव में कोई रिश्ता होता, तो संभव है कि उन्हें इसकी जानकारी मिलती। हालांकि, उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं सुनी थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय वह अपनी जिंदगी और अनुभवों को समझने में व्यस्त थीं। गोविंदा और करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। उनकी लोकप्रिय जोड़ी के कारण उनकी निजी रिश्तों को लेकर अटकलें लगाई जाती रही थीं।



सोशल मीडिया को लेकर बदल गया हमारा नजरिया: अमिताभ बच्चन

सोशल मीडिया पर ट्रेलिंग और नकारात्मक टिप्पणियों को लेकर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना अनुभव साझा किया है। महानायक ने बताया कि शुरुआत में वह सोशल मीडिया को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का माध्यम मानते थे, लेकिन पोस्ट पर आने वाली टिप्पणियाँ पढ़ने के बाद उनका नजरिया बदल गया। सोशल मीडिया पर अब वह पहले की तुलना में कम लिखते हैं। यह बात उन्होंने लोकप्रिय किंग शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के दौरान कही। शो में पहुंचे प्रतियोगी विनयन ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर आलोचना और नकारात्मकता का सामना कैसे करते हैं। विनयन ने कहा कि उनकी पौढ़ी के कई लोगों के लिए आलोचनाओं को संभालना मुश्किल होता है। इस पर अमिताभ ने बताया कि सोशल मीडिया पर सक्रिय होने के शुरुआती दिनों में

उन्हें लगता था कि यहां बिना किसी झिझक के दिल की बात कही जा सकती है।

हालांकि, जब उन्होंने अपनी पोस्ट पर आने वाले कमेंट पढ़ने शुरू किए, तो उन्हें कई तरह की आपत्तियुक्त टिप्पणियां देखने को मिलीं। अमिताभ ने कहा कि उनकी पोस्ट के कमेंट सेवजन में लोग उग्र और वक्तव्य को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते थे। इस तरह की टिप्पणियों को देखकर उन्होंने अजीब लगता था। उनके बतौर कलाकार ऐसी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखना कम कर दिया। अभिनेता ने अपने अनुभव को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा करते हुए कहा कि जब से उन्होंने कम लिखना शुरू किया है, उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ती लगी गई है। अमिताभ की इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद हरशंकर ने लगे

उनकी बात ने सोशल मीडिया के उस पहलू की ओर ध्यान खींचा, जहां किसी व्यक्ति को अपने विचार साझा करने की स्वतंत्रता तो मिलती ही है, लेकिन उसे अमानजक टिप्पणियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अमिताभ बच्चन लंबे समय से डिजिटल मंचों पर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में अपना व्यक्तिगत ब्लॉग लिखना शुरू किया था। इसके बाद वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़े रहे। वह समय-समय पर अपने काम, अनुभवों और विचारों से संबंधित पोस्ट साझा करते रहे हैं। उनका ताजा अनुभव बताता है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता के बावजूद नकारात्मक टिप्पणियाँ किसी को भी प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे माहौल में अपनी प्रतिक्रिया सीमित रखना भी एक विकल्प हो सकता है।

